CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-311
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 15 फरवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

कैंसर मरीजों के लिए देश का सबसे बड़ा न्यूक्लियर मेडिसिन थेरेपी सेंटर तैयार

नई दिल्ली। कैंसर के मरीजों के लिए राहत की बड़ी खबर है। एम्स के राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, (एनआईसी), झज्जर में देश का सबसे बड़ा न्यूक्लियर मेडिसिन थेरेपी सेंटर बनकर तैयार है। लाइसेंस लेने की प्रक्रिया की जा रही है। उम्मीद है कि इस सेंटर में मरीजों के लिए सुविधा जल्द शुरू हो जाएगी। इसके अलावा संस्थान में बोन मेरो ट्रांसप्लांट की सुविधा भी शुरू हो रही है। दरअसल, शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा यहां दौरा करेंगे। इस दौरान उन्हें दोनों यूनिट दिखाई जाएगी। इन यूनिट के शुरू होने के बाद कैंसर के मरीजों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। संस्थान से मिली जानकारी के मुताबिक, संस्थान में रेडियोआइसोटोप न्यूक्लियर मेडिसिन थेरेपी वार्ड बनकर तैयार है। इसे शुरू करने के लिए एटॉमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड (एईआरबी) से लाइसेंस लेने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इस वार्ड में 20 बेड की सुविधा होगी। यह देश का सबसे बड़ा सेंटर होगा। इसकी मदद से रेडिएशन देकर कैंसर का इलाज किया जाएगा।

कीमो के साथ रेडिएशन भी दिया जाएगा मौजूदा समय में कीमोथेरेपी देकर इलाज किया जा रहा है। इसमें कीमो के साथ रेडिएशन भी दिया जाएगा जो ज्यादा सुरक्षित और असरदायक है। यह मुख्य रूप से थायराइड, प्रोस्टेट, न्यूरो न्यूरोब्लास्टोमा सहित दूसरे कैंसर में इसका इस्तेमाल हो रहा है। आने वाले दिनों में स्तन कैंसर, ब्लड कैंसर सहित दूसरे कैंसर में भी इसका इलाज हो सकेगा। इसे लेकर बड़े स्तर पर शोध हो रहे हैं।

सेंटर में मिलेगी बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा संस्थान में जल्द बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा विकसित हो गई है। यह एक जटिल उपचार है। इसमें रोगग्रस्त बोन मैरो को स्वस्थ कोशिकाओं से बदल दिया जाता है। यह प्रक्रिया, रक्त कैंसर और रक्त विकारों के इलाज में मदद करती है। मौजूदा समय में यह सुविधा एम्स के मुख्य कैंपस में उपलब्ध है। इसकी जरूरत तब पड़ती है जब शरीर जरूरी रक्त कोशिकाएं नहीं बना पाता। इसकी जरूरत तब पड़ती है जब कीमोथेरेपी या विकिरण उपचार से कैंसरग्रस्त और स्वस्थ दोनों कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं। सेंटर में इसके अलावा जीनोम सीक्वेंसिंग, रोबोटिक सर्जरी की सुविधा शुरू होगी।

अवैध अप्रवासियों की दूसरी खेप आज अमेरिका से पहुंचेगी अमृतसर

नई दिल्ली। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए अवैध भारतीय अप्रवासियों की दूसरी खेप शनिवारको अमृतसर पहुंचेगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार रात 10 बजे के करीब फ्लाइट लैंड करेगी। भारत सरकार के आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी साझा की है। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए 119 अवैध अप्रवासी भारत आ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद से भारत निर्वासित किए जाने वाले व्यक्तियों का यह दूसरा समूह होगा। शनिवार को अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड करने वाले अमेरिकी विमान में 119 अवैध अप्रवासियों सवार रहेंगे। अवैध भारतीय प्रवासियों में पंजाब के 67, हरियाणा के 33, गुजरात के 8, उत्तरप्रदेश के तीन, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान के दो-दो, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर का एक-एक व्यक्ति शामिल है। वहीं निर्वासित लोगों को लेकर एक अन्य अमेरिकी विमान भी 16 फरवरी (रविवार) को अमृतसर पहुंच सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप की कठोर नीति के कारण अमेरिका में रह रहे अवैध अप्रवासियों को उनके देश डिपोर्ट किया जा रहा है। इसी कड़ी में अवैध अप्रवासियों की पहली खेप अमेरिका से भारत 5 फरवरी को आई थी। अमेरिकी सैन्य विमान में 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को बेड़ियों से जकड़ कर लाया गया था। उनके हाथों में हथकड़ी लगी थी। वापस भेजे गए लोगों में 33-33 हरियाणा और गुजरात के नागरिक थे। 30 पंजाब से थे, जबकि महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से 3-3 यात्री और चंडीगढ़ के 2 यात्री शामिल थे। यात्रियों में 79 पुरुष और 25 महिलाएं शामिल थीं, जबकि बाकी बच्चे थे।

महाकुंभ में महाकीर्तिमान- टूटे दुनिया के सारे रिकॉर्ड, ब्राजील-जर्मनी को पीछे छोड़कर रचा नया इतिहास, दुनिया के किसी आयोजन में इतनी भीड़ नहीं जुटी

50 करोड़ के पार 'डुबकियां'

अमेरिका, रूस, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, नाइजीरिया, ब्राजील, बांग्लादेश और मैक्सिको जैसे देशों की जनसंख्या भी इतनी नहीं

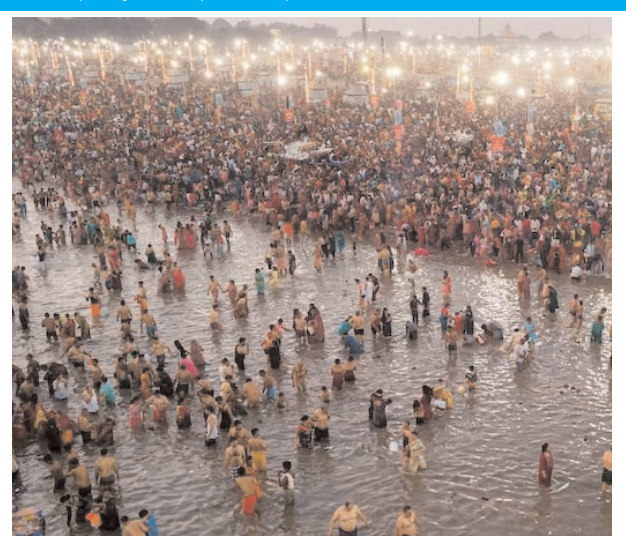

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ में देश-विदेश से श्रद्धालुओं का पहुंचने का सिलसिला जारी है। गंगा, जमुना और सरस्वती के त्रिवेणी पर अब तक करोड़ों श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। इस बार सरकार ने 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद जताई थी, लेकिन महाकुंभ के समापन से 12 दिन पहले ही यह संख्या 50 करोड़ को पार कर गई है। प्रशासन को उम्मीद है कि कुंभ समाप्त होने तक यह आंकड़ा 60 करोड़ तक पहुंच सकता है। यूएस सेंसस ब्यूरो की एक रिपोर्ट के अनुसार, पूरी दुनिया के 200 से अधिक राष्ट्रों में जनसंख्या के दृष्टिकोण से टॉप 10 देशों में क्रमशः भारत (1,41,93,16,933), चीन (1,40,71,81,209), अमेरिका (34,20,34,432), इंडोनेशिया (28,35,87,097), पाकिस्तान (25,70,47,044), नाइजीरिया (24,27,94,751), ब्राजील (22,13,59,387), बांग्लादेश (17,01,83,916), रूस (14,01,34,279) और मैक्सिको (13,17,41,347) शामिल हैं। वहीं, महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की अब तक की संख्या (50 करोड़ पार) को देखा जाए तो केवल भारत और चीन की जनसंख्या ही यहां आने वाले श्रद्धालुओं से अधिक है। जबकि, अमेरिका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, नाइजीरिया, ब्राजील, बांग्लादेश, रूस और मैक्सिको की जनसंख्या भी इससे कहीं पीछे है। यह दिखाता है कि महाकुंभ अब केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह सनातन धर्म के विराट स्वरूप का प्रतीक बन चुका है।

ब्राजील का रियो फेस्टिवल और जर्मनी का अक्टूबर फेस्ट तिनके के समान ब्राजील का रियो फेस्टिवल हो या जर्मनी का अक्टूबर फेस्ट इनकी भीड़ महाकुंभ के सामने तिनके के समान है। दुनिया के किसी भी आयोजन में इतनी बड़ी संख्या में लोगों के आने का प्रमाण नहीं मिलता। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भारत, चीन के बाद महाकुंभ में इस बार दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आबादी आस्था के संगम में शामिल हो रही है। महाकुंभ और ब्राजील का रियो कार्निवाल की अपनी विशेषता है, लेकिन यहां पहुंचने वाले लोगों की तुलना करें तो रियो कार्निवाल के मुकाबले 10 गुना से भी ज्यादा लोग पवित्र स्नान कर चुके हैं। ब्राजील पर्यटन विभाग के मुताबिक, साल 2023 में 4.6 करोड़ पर्यटकों ने रियो कार्निवाल में हिस्सा लिया था।

म्यूनिख का अक्टूबर फेस्ट कहीं नहीं लगता जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित अक्टूबर फेस्ट की भी महाकुंभ की भीड़ से श्रद्धालुओं की तुलना की जा रही थी। यह दुनियाभर के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहता है। साल 2024 में इस उत्सव में लगभग 6.7 मिलियन लोगों ने शिरकत की थी, इसके उलट साल 2023 के 7.2 मिलियन पर्यटकों ने इसमें भाग लिया था। अक्टूबर फेस्ट का आयोजन हर साल 16 दिनों तक जर्मनी में किया जाता है, जिसमें जर्मन संस्कृति, संगीत, पारंपरिक नृत्य और स्वादिष्ट बियर का पर्यटक लुत्फ उठाते हैं। फिलहाल प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ 2025 में आज 32वें दिन श्रद्धालुओं की भीड़ ने नया इतिहास रचते हुए 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। महाकुंभ इस माह 26 फरवरी तक चलेगा, इसके संपन्न होने में अबी 12 दिन बाकी रहते हुए ही श्रद्धालुओं का आंकड़ा 50 करोड़ को पार कर गया है।

थम नहीं रहा श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला महाकुंभ में रोजाना श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के पहुंचने का सिलसिल थम नहीं रहा है। खासकर प्रमुख स्नान पर्वों के बाद भी लाखों लोग संगम में डुबकी लगाने के लिए पहुंच रहे हैं। संगम जाने वाले रास्तों पर तिल रखने की भी जगह नहीं बची है, जबकि पांटून पुल और दूसरी सड़कें श्रद्धालुओं से भरे पड़े हैं। भीड़ की विशालता को देखते हुए मेला प्रशासन को इमरजेंसी प्लान लागू करना पड़ा है। सभी पास रविवार (16 फरवरी) तक स्थगित कर दिए गए हैं। 2019 के कुंभ में 24 करोड़ श्रद्धालु आए थे, लेकिन इस बार 50 करोड़ के आंकड़े को पार करने से महाकुंभ ने एक नया रिकॉर्ड कायम किया है।

आज और कल और उमड़ेगी भीड़ आज शनिवार और कल रविवार है। ऐसे में प्रशासन का अनुमान है कि वीकेंड पर भीड़ उमड़ सकती है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी लखनऊ में मीटिंग की। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सीनियर अफसर खुद सड़क पर उतरें और हर स्तर पर जवाबदेही तय करें। योगी ने कहा है कि प्रयागराज महाकुंभ जाने वाले रास्तों में कहीं पर भी जाम न लगे। श्रद्धालुओं को दिक्कत नहीं आए। अगर जाम लगा तो वहां के अफसरों की जवाबदेही तय होगी।

राहुल गांधी और प्रियंका कल पहुंचेंगे प्रयागराज महाकुंभ में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा भी आस्था की डुबकी लगाएंगे। 16 फरवरी रविवार को उनके प्रयागराज आने और त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने का कार्यक्रम लगभग तय माना जा रहा है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, उनके आने का प्रोग्राम लगभग फाइनल हो चुका है। इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं।

यूपी की अर्थव्यवस्था में 3 लाख करोड़ की हुई बढ़ोतरी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब 50-55 करोड़ लोग प्रयागराज महाकुंभ में जुड़ेंगे तो इससे यूपी की अर्थव्यवस्था को कितना फायदा होगा। मेरा अनुमान है कि महाकुंभ के माध्यम से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में 3 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि हुई है।

एक और रिकॉर्ड भी दर्ज हुआ प्रयागराज महाकुंभ में शुक्रवार को एक और नया रिकॉर्ड भी दर्ज हुआ है। महाकुंभ में गंगा और संगम पर बने तीन घाट रामघाट, गंगेश्वर घाट और भारद्वाज घाट पर एक साथ 300 सफाईकर्मियों ने आधा घंटे लगातार सफाई कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम के जूरी मेंबर प्रवीण पटेल की देखरेख में यह नया रिकॉर्ड बना है, जिसमें एक शहर, एक नदी पर एक साथ लगातार आधा घंटे 300 से अधिक सफाईकर्मियों ने सफाई की है। इससे पहले दुनिया में यह अनोखा रिकॉर्ड किसी ने नहीं बनाया जिसे प्रयागराज महाकुंभ में बनाया गया है।

लापरवाही! इंदौर में आंख के ऑपरेशन के दौरान महिला की मौत, डॉक्टर को हटाया

इंदौर। इंदौर के सरकारी अस्पताल हुकमचंद पॉलिक्लिनिक में आंख का ऑपरेशन कराने आई एक महिला की मौत हो गई। एनेस्थिसिया देने के बाद महिला कोमा में चली गई थी। मामला गरमाने पर सीएमएचओ डॉ. बीएस सेत्या ने जांच बैठाई और डॉक्टर को हटा दिया। महिला आंख का ऑपरेशन कराने आई थी। महिला की मौत को लेकर डॉ. कमल आर्य पर आरोप लगे हैं। उन्हें पॉलिक्लिनिक से हटाते हुए जिला अस्पताल में अटैच कर दिया गया। मृत महिला का नाम ललिता पति राजू निवासी नार्थ तोड़ा है। उसे मोतियाबिंद था और वह गुरुवार को ऑपरेशन के लिए भर्ती हुई थी। महिला डायबिटीज और हाइपरटेंशन की मरीज भी थी, हालांकि सर्जरी के पहले जांचें भी हुई थी। सर्जरी के दौरान वह कोमा में चली गई। शुक्रवार को उसकी मौत की खबर सुनकर परिजन नाराज हो गए। उन्होंने डॉक्टरों पर लापरवाही के आरोप लगाए। डॉक्टरों ने कहा कि महिला की आंख में मोतियाबिंद था। ऑपरेशन से पहले उसका ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल जांचा गया था। वह नियंत्रित था, इसके बाद ही ऑपरेशन करने का फैसला लिया गया था। जब वह कोमा में चली गई और धड़कनें धीमी होने लगी तो महिला को सीपीआर भी दिया गया, लेकिन धड़कन नहीं लौटी। इसके बाद उसे एमवाय अस्पताल रैफर कर दिया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जांच के लिए बनाई छह सदस्यीय समिति घटना की गंभीरता को देखते हुए, प्रशासन ने जांच के आदेश दिए। सिविल सर्जन डॉ. जीएल सोढ़ी के नेतृत्व में एक छह सदस्यीय समिति का गठन किया गया है, जो इस मामले की जांच करेगी और सर्जरी के दौरान हुई चूक का पता लगाएगी। गौरतलब है कि घटना के बाद, अस्पताल में प्रबंधन की व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं, और नागरिकों में इस मामले को लेकर चिंता जताई जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद इसमें आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अचानक शॉक में चली गई महिला सीएमएचओ डॉ. बीएस सेत्या के मुताबिक महिला पिछले कई दिनों से अस्पतला में जा रही थी। वह डायबिटीज और हाईपरटेंशन की मरीज थी। गुरुवार को उसका ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल में थी। इसके चलते उसकी सर्जरी प्लान की गई थी। सर्जरी के लिए उसे लोकल एनेस्थीसिया (सामान्य) दिया गया था। इसके बाद वह अचानक शॉक में चली गई। उसे सीपीआर भी दिया गया था। फिर उसे एमवाय अस्पताल रेफर किया गया था जहां उन्हें मृत घोषित किया गया।

डॉक्टर ने सर्जरी करने से कर दिया था इनकार डॉ. कमला आर्य के मुताबिक हमने महिला की सर्जरी करने से मना कर दिया था क्योंकि वह डायबिटीज और हाइपरटेंसिव पेशेंट थी। गुरुवार को उसकी रिपोर्ट रेंज में थी। मामले में मेडिसन विभाग के एक डॉक्टर ने फिटनेस सर्टिफिकेट दे दिया। इस पर उसकी सर्जरी प्लान की गई। मरीज शॉक में चली गई और सर्जरी की तैयारी के दौरान ही उसकी मौत हो गई।

यह कहना है महिला के भाई का महिला के भाई जयकुमार वर्मा का कहना है कि बहन को सर्जरी के लिए ऑपरेशन थिएटर में लिया गया था। कुछ देर बाद डॉक्टरों ने आनन-फानन में एम्बुलेंस बुलाई और एमवायएच अस्पताल के लिए रवाना किया। हमने पूछा तो बताया कि उसकी सांसें चल रही है। तुरंत ले जाना होगा। रास्ते भर उसकी सांसें नहीं चल रही थी। एमवाय अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने ईसीजी मशीन लगाकर चेक किया और बताया कि उसकी मौत हो चुकी है। फिर डॉक्टरों के कहने पर उसका शव पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। बहन ललिता डायबिटीज और ब्लड प्रेशर की मरीज थी। अभी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट नहीं मिली है।

सीएम डॉ. यादव बोले- ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में शहरी विकास पर भी होगा विशेष फोकस

भोपाल। राजधानी भोपाल में पहली बार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) 24 और 25 को होने जा रह है। इसमें देश विदेश के बड़े उद्योगपति और निवेशक शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में शहरी विकास पर फोकस होगा। मध्यप्रदेश तेजी से शहरी बदलाव की दिशा में आगे बढ़ रहा है और इस समिट के दौरान स्मार्ट सिटी, मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल गवर्नेंस को प्रमुख रूप से बढ़ावा दिया जाएगा। राज्य में शहरी परियोजनाओं पर 72 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं और अगले कुछ सालों में 88 हजार करोड़ रुपए की और परियोजनाओं की योजना है।सीएम ने कहा कि प्रदेश में शहरी विकास के लिए ज्यादा से ज्यादा निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा ताकि नागरिकों को आधुनिक सुविधाएं मिल सकें और रोजगार के मौके भी बढ़ें। मध्यप्रदेश को स्वच्छ भारत मिशन और स्मार्ट सिटी रैंकिंग में भी देश में अग्रणी माना गया है। प्रदेश में 7 स्मार्ट सिटी, 72 हजार करोड़ रुपए की शहरी परियोजनाओं के साथ तेजी से विकास हो रहा है। 88 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। इसके अलावा, प्रदेश में 8.32 लाख घरों का निर्माण पूरा हो चुका है और 10 लाख नए आवास बनाए जाएंगे।

स्वच्छता में भी मध्यप्रदेश का अव्वल प्रदर्शन स्वच्छ भारत सर्वेक्षण 2023 में मध्यप्रदेश ने शानदार प्रदर्शन किया है, जहां इंदौर ने लगातार सातवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा प्राप्त किया है और भोपाल को पांचवां स्थान मिला है। प्रदेश में कई योजनाएं जैसे ह्यएमपी री-डेंसिफिकेशन पॉलिसीह्न और ह्यईवी पॉलिसी 2025ह्न के तहत शहरी विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अलावा, प्रदेश में उन्नत सड़क नेटवर्क और रेलवे कनेक्टिविटी भी निवेशकों के लिए सुविधाजनक रहेगी। प्रदेश में एकीकरण के साथ बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है। आने वाले समय में मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, बेहतर कनेक्टिविटी और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं से मध्यप्रदेश एक आदर्श राज्य बनेगा, जहां निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल होगा।

आउटर रिंग रोड के निर्माण के लिए सर्वे शुरू

किसानों ने सड़क के लिए जमीन लेने पहुंचे अधिकारियों को खदेड़ा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में आउटर रिंग रोड के निर्माण के लिए शुरू कराए गए सर्वे का जोरदार विरोध भी शुरू हो गया है। जैसे ही नेशनल हाईवे की टीम अलग-अलग गांवों में सर्वे करने पहुंची, किसानों ने टीम को घेर लिया और सर्वे नहीं करने दिया। टीम को बैरंग वापस लौटना पड़ा। भारत सरकार द्वारा इंदौर में आउटर रिंग रोड की योजना को मंजूरी दी गई है, जिसके तहत पश्चिमी रिंग रोड का भी निर्माण किया जाना है। यह सड़क पीथमपुर के आगे एबी रोड से शुरू होकर धार रोड, उज्जैन रोड को पार करते हुए शिप्रा के पास

फिर से एबी रोड से जुड़ेगी। इस सड़क का निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा और इसके लिए भूमि अधिग्रहण से पहले सर्वेक्षण किया जा रहा है। पिछले दो दिनों से नेशनल हाईवे की टीम विभिन्न गांवों में जाकर भूमि सर्वेक्षण कर रही है। लेकिन जैसे ही टीम सर्वे के लिए पहुंचती है, बड़ी संख्या में किसान जमा होकर इसका विरोध करने लगते हैं। गुरुवार को भी बेटमा तहसील के गांव मोहना, किशनपुरा और मांगलिया में जब टीम सर्वे करने पहुंची, तो किसानों ने नारेबाजी करते हुए उन्हें रोक दिया और बिना सर्वे किए ही टीम को लौटना पड़ा। इस दौरान टीम के साथ देपालपुर के अनुविभागीय अधिकारी राकेश मोहन त्रिपाठी, नायब तहसीलदार पूजा सिंह चौहान, लोकेश अजूबा, राजस्व निरीक्षक अमिताभ पारे, पुलिस विभाग, पीडब्ल्यूडी, वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

किसान संघ भी कर रहा है विरोध

किसानों के समर्थन में अब भारतीय किसान संघ भी आ गया है। किसान संघ से जुड़े किसानों ने भी इस सर्वे का विरोध किया और टीम को वापस भेजने में अहम भूमिका निभाई। उधर, इस परियोजना को लेकर केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी पहले ही हवाई सर्वे कर चुके हैं। उन्होंने सर्वे में हो रही देरी पर नाराजगी जाहिर की थी, जिसके बाद प्रशासन ने विभिन्न विभागों का संयुक्त दल गठित कर सर्वेक्षण और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए थे।

चार गुना दाम मांग रहे किसान

विरोध कर रहे किसानों की मांग है कि अगर सरकार हमारी जमीन लेना चाहती है, तो हमें बाजार मूल्य से चार गुना ज्यादा मुआवजा दिया जाए। किसानों का कहना है कि राज्य सरकार ने अभी तक इस तरह का कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं किया है, इसलिए वे इस सर्वे का विरोध कर रहे हैं। जब तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाता, वे सड़क निर्माण कार्य में सहयोग नहीं करेंगे।

मप्र के जंगलों में क्यों लग रही आग
आईआईटी ने किया खुलासा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर (आईआईटी इंदौर) और भारतीय वन प्रबंध संस्थान (आईआईएफएम) द्वारा किए गए एक महत्वपूर्ण शोध अध्ययन ने मध्यप्रदेश के होशंगाबाद वन प्रभाग में गैर-लकड़ी वन उत्पादों (एनटीएफपी) पर जंगल की आग के गंभीर प्रभावों को उजागर किया है। इस अध्ययन को साउथ एशियन नेटवर्क फॉर डेवलपमेंट एंड एनवायरनमेंटल इकोनॉमिक्स (एसएएनडीईई-आईसीआईएमओडी), काठमांडू, नेपाल द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी। अध्ययन का उद्देश्य जंगल की आग के कारणों का पता करना, वन-आश्रित समुदायों पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण करना और राहत के लिए आवश्यक नीतिगत कदम सुझाना था। इस शोध की मुख्य अन्वेषक, आईआईटी इंदौर की डॉ. मोहनासुंदरी ने बताया कि जंगल की आग और एनटीएफपी पर इसके प्रभावों को लेकर तीन मुख्य निष्कर्ष सामने आए हैं। पहला, उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में बार-बार और अधिक भीषण आग लगती है, जिससे पारिस्थितिक क्षति के साथ-साथ आर्थिक हानि भी होती है। हालांकि, इस प्रक्रिया से लाभ केवल कुछ ही लोगों को मिलता है। दूसरा, नियंत्रित और छोटे पैमाने की आग से एनटीएफपी के पुनर्जनन को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे इनके सतत संग्रहण की संभावना बढ़ जाती है। तीसरा, कृषि के बावजूद, छोटे भूमि धारकों के लिए एनटीएफपी एक महत्वपूर्ण आय स्रोत बने हुए हैं, जिससे वे आर्थिक रूप से अधिक लचीले बनते हैं। इन समस्याओं से निपटने

के लिए, शोध में तीन महत्वपूर्ण नीतिगत उपाय सुझाए गए हैं। सबसे पहले, जंगल की आग को रोकने के लिए उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में अग्नि निगरानी कार्यक्रमों को विस्तारित किया जाना चाहिए। इससे न केवल आग की रोकथाम होगी, बल्कि ग्रामीणों के लिए नए रोजगार अवसर भी पैदा होंगे। दूसरा, महुआ लड्डू, कुकीज और प्राकृतिक साबुन जैसे उत्पादों के माध्यम से एनटीएफपी के मूल्य संवर्धन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिससे स्थानीय समुदायों की आय में बढ़ोतरी हो और जंगलों से सतत फसल उपजाई जा सके। तीसरा, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रणाली को मजबूत करने के लिए बेहतर प्रवर्तन, अधिक खरीद केंद्रों और डिजिटल प्लेटफॉर्म की सुविधा दी जानी चाहिए। इससे फसल उगाने वालों को उचित मूल्य मिल सकेगा और वे बिचौलियों के शोषण से बच सकेंगे।

आग से बड़े आर्थिक नुकसान हो रहे

आईआईटी इंदौर के निदेशक, प्रोफेसर सुहास जोशी ने इस पर जोर देते हुए कहा कि ये नीतिगत उपाय जंगल की आग के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने, वन प्रबंधन को बेहतर बनाने और वन-आश्रित समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए बेहद आवश्यक हैं। जंगल की आग केवल जैव विविधता को नुकसान नहीं पहुंचाती, बल्कि लाखों लोगों की आजीविका पर भी गहरा असर डालती है। यह शोध दिखाता है कि प्रभावी नीतियों और सतत प्रबंधन पद्धतियों के माध्यम से इन प्रभावों को कम किया जा सकता है।

डिवाइडर से टकराई कार, हादसे में आईटी इंजीनियर की मौत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के कनाड़िया ब्रिज के पास गुरुवार रात एक भीषण सड़क हादसे में एक आईटी कंपनी के इंजीनियर की दर्दनाक मौत हो गई। वह अपनी कार से घर लौट रहे थे, तभी अचानक वाहन असंतुलित हो गया और तेज रफ्तार में डिवाइडर से टकराने के बाद बिजली के पोल से जा भिड़ा। इस भयावह टक्कर के चलते उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेज दिया गया। हादसे में उनकी महिला मित्र बाल बाल बची, कुछ देर पहले ही इंजीनियर ने उसे घर पर छोड़ा था। कनाड़िया पुलिस के मुताबिक, यह दर्दनाक हादसा रात करीब 2 बजे भंडारी रिसोर्ट के पास हुआ। मृतक की पहचान 28 वर्षीय प्रणय तलरेजा के रूप में हुई, जो स्टीव विला में रहते थे। प्रारंभिक जानकारी के

अनुसार, वह अपनी महिला मित्र के साथ एक रेस्टोरेंट में पार्टी के लिए गए थे। पार्टी समाप्त होने के बाद उन्होंने अपनी महिला मित्र को बायपास स्थित उनके घर छोड़ा और फिर अपने घर लौट रहे थे, तभी यह भीषण हादसा हो गया। दुर्घटना की खबर मिलते ही परिजन एमवाय अस्पताल पहुंचे, जहां उनके शव को देखकर परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों के अनुसार, प्रणय एक प्रतिष्ठित आईटी कंपनी में कार्यरत थे। उनके पिता एक व्यवसायी हैं और परिवार में एक बहन भी है। वह माता-पिता के इकलौते बेटे थे, जिससे यह हादसा पूरे परिवार के लिए एक गहरा आघात बन गया। पुलिस ने बताया कि अब तक परिजनों के बयान दर्ज नहीं किए गए हैं और मामले की जांच जारी है। बताया जा रहा है कि जहां पर हादसा हुआ वहां पर पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। प्रशासन लगातार हादसों के बाद में भी अनदेखी कर रहा है।

तेलंगाना विधायक टी राजा की सभा आज, कांग्रेस ने जताई आपत्ति

इंदौर। इंदौर में शनिवार को तेलंगाना के विधायक टी राजा की सभा का आयोजन होना है। राजा की सभा दशहरा मैदान में आयोजित की जाएगी। इसके लिए सारी तैयारी हो चुकी हैं। इधर टी राजा की सभा को लेकर कांग्रेस ने आपत्ति दर्ज कराई है। कांग्रेस ने कहा कि एक ओर यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया का विवाद चल रहा है। वहीं इंदौर में टी राजा की सभा हो रही है। जिसमें अल्पसंख्यकों के खिलाफ बातें कही जाएंगी। सभा का आयोजन हिंद रक्षक संगठन कर रहा है जो बीजेपी विधायक मालिनी गौड़ के बेटे एकलव्य गौड़ का है। कांग्रेस के आरोपों और आपत्ति पर बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने कहा कि कांग्रेस को हिन्दू हित की बातों में हमेशा से आपत्ति रही है। कार्यक्रम हिन्दुओं को एकजुट होने के उद्देश्य से किया जा रहा है। लेकिन कांग्रेस इस पर भी आपत्ति ले रही है। इससे उसका धर्म विरोधी चेहरा सामने आ रहा है। टी राजा की तुलना रणवीर अल्लाहबादिया से की जा रही है। टी राजा आतंकवाद और देश द्रोह में लिप्त लोगों के खिलाफ बोलते है, इसलिए उनके आयोजन पर सवाल उठाएं जा रहे है। बता दें आयोजन कल पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मण सिंह गौड़ केपुण्य स्मरण पर सिंह गर्जना, धर्म रक्षा समागम के नाम से शाम 7 बजे आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस नेता अनिमूल खान सूरी ने कहा की टी राजा खुलेआम देश के अल्पसंख्यक लोगों के खिलाफ बातें बोलता है। आपत्तिजनक टिप्पणियां करता है। क्या इस कार्यक्रम को लेकर किसी प्रकार की अनुमति ली गई है। सूरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि एक तरफ तो यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया और कॉमेडियन समय रैना के द्वारा किए गए कुकृत्य के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के मामले में देश के अलग-अलग हिस्सों में एफआईआर दर्ज हुई हैं।

जीएसटी स्कीम का लाभ उठाने की अंतिम तारीख 31 मार्च

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। सीजीएसटी कमिश्नरेट इंदौर द्वारा टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन और इंदौर सीए शाखा के तत्वावधान में बजट प्रावधानों और एमनेस्टी स्कीम को लेकर एक विशेष आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में जॉइंट कमिश्नर योगेश पांडुरंग उंडे ने जीएसटी अधिनियम में किए गए प्रमुख बदलावों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल 2025 से इनपुट सर्विस डिस्ट्रिब्यूटर की व्यवस्था सभी करदाताओं के लिए अनिवार्य कर दी जाएगी, जिनके पास एक ही पैन पर एक से अधिक जीएसटी रजिस्ट्रेशन हैं और वे कुछ सामान्य इनपुट सेवाएं प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि बजट में एक नई धारा जोड़कर कुछ ऐसी वस्तुओं पर ट्रैक एंड ट्रेस मैकेनिज्म लागू करने की योजना बनाई गई है, जिन पर कर चोरी की संभावना अधिक होती है। इस नए प्रावधान के तहत सरकार को अधिकार होगा कि वह किसी भी वस्तु या व्यक्ति पर यह व्यवस्था लागू करने की अधिसूचना जारी कर सके, जिससे कर चोरी पर नियंत्रण किया जा सकेगा। इसके अलावा, एमनेस्टी स्कीम को लेकर भी जानकारी दी गई, जिसमें वर्ष 2017 से 2020 तक के धारा 73 मामलों के संबंध में करदाताओं को राहत दी गई है। इस स्कीम का लाभ उठाने के लिए 31 मार्च 2025 तक अपनी बकाया राशि का भुगतान करना आवश्यक होगा, जिससे वे पेनल्टी और ब्याज से हमेशा के लिए मुक्त हो सकते हैं।

इस कार्यक्रम में डिप्टी कमिश्नर श्रीमती रंजना चौधरी ने बताया कि विभाग ऐसे आउटरीच प्रोग्राम आगे भी आयोजित करता रहेगा और इसी क्रम में अगला कार्यक्रम देवास में आयोजित किया जाएगा। टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सीए जेपी सराफ ने बताया कि इस बार के बजट में जीएसटी से संबंधित कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जिनका दीर्घकालिक प्रभाव रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को एमनेस्टी स्कीम को लेकर व्यापक स्तर पर प्रचार और जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है, जिससे करदाता अधिक से अधिक इसका लाभ उठा सकें और लंबित मामलों का निपटारा हो सके। इंदौर सीए शाखा के सेक्रेटरी सीए अमितेश जैन ने कहा कि ऐसे आउटरीच प्रोग्राम व्यापारियों के लिए अत्यधिक लाभकारी हैं। कार्यक्रम का संचालन सीए सुनील पी जैन ने किया और आभार प्रदर्शन सीए कृष्ण गर्ग ने किया। इस आयोजन में गोविंद गोयल, अविनाश अग्रवाल, सुरेश नंदवाना, निखिल जैन समेत बड़ी संख्या में टैक्स प्रैक्टिशनर्स और करदाता उपस्थित थे।

2021 में गुम बालिका को पुलिस ने ढूंढ निकाला

इंदौर। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा बालक/बालिकाओं की दस्तयाबी के लिए विशेष अभियान 'ऑपरेशन मुस्कान' संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में, पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के निर्देशन में थाना क्षेत्र में गुम हुए बालक-बालिकाओं की सकुशल बरामदगी एवं उन्हें उनके परिजनों से मिलाने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना प्रभारी रंजीतसिंह बघेल के नेतृत्व में की गई कार्यवाही के दौरान करीब 2021 से लापता बालिका को सकुशल दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त हुई। थाना प्रभारी रंजीतसिंह बघेल द्वारा ऑपरेशन मुस्कान के तहत बालक/बालिकाओं की दस्तयाबी के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया था। इस विशेष टीम ने लापता बालिका की लगातार खोजबीन की, आखिरकार सूचना के आधार पर इंदौर में बालिका की मौजूदगी की जानकारी प्राप्त हुई, जिस पर तत्काल टीम को रवाना किया गया। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर बालिका को सकुशल दस्तयाब कर देपालपुर लाकर परिजनों के सुपुर्द किया। देपालपुर की टीम में सउनी चंद्र, किशोर सिंह चौहान,विजय सिंह डामोर, प्रआ राधेश्याम गामड़,आरक्षक वीरेंद्र पटेल,सुनील गिरवाल,आरती राजपूत का दस्तयाबी करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इंदौर आठवीं बार सफाई में ताज के लिए तैयार, अब कभी भी आ सकती है टीम

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण में काफी देर हो चुकी है। पिछले साल दिसंबर में परिणाम घोषित हो चुके थे, लेकिन इस बार साल बीत गया,लेकिन अभी तक स्वच्छता सर्वेक्षण ही शुरू नहीं हो पाया है। इंदौर नगर निगम तीन माह से इसके लिए तैयारी कर रहा है। दिल्ली से संकेत मिले है कि 15 फरवरी के बाद कभी भी स्वच्छता रैंकिंग जांचने के लिए टीम इंदौर आ सकती है। नगर निगम इसके लिए पूरी तरह तैयार है। सफाई में लगातार सात बार से सरताज इंदौर ने भले ही आठवीं बार अवार्ड पाने

के लिए कमर कस ली है, इस बार कुछ चुनौतियां भी थी, उसे दूर करने की कोशिश अफसरों ने की है। कई क्षेत्रों में खुले में कचरा फिर नजर आने लगा था। उन पाइंटों को हटाया गया है। अब शत प्रतिशत डोर टू डोर कचरा कलेक्शन हो रहा है। सर्वेक्षण के समय शहर की बेकलेन के कारण इंदौर को नंबर कम मिल सकते है। इसे देखते हुए बीते 15 दिनों से शहर की बेकलेन को साफ करने पर ज्यादा फोकस किया गया। स्पॉट फाइन भी लगाए गए, ताकि लोग फिर बेकलेन में कचरा न फेंके। इस बार शहर के नाले प्रदूषण से मुक्त नहीं हो पाया। स्वच्छता के सर्वे के समय भले ही नालों को अस्थाई रुप से साफ कर दिया जाता है, लेकिन सालभर नालों में गाद, गंदगी और कचरा नजर आता है। इस मामले में इंदौर को नंबर कम मिल सकते है। इंदौर की स्वच्छता में सबसे बड़ी ताकत लोगों की जनभागीदारी है। लोग कचरा घरों और संस्थानों में संभालकर रखते है। उन्हें खुले में नहीं फेंकते। सुबह आने वाले कचरा वाहनों में ही उसे डाला जाता है। इस कारण सड़कें व परिसर लंबे समय तक साफ रहते है। शहर जीरो डस्डबीन सिटी है। इस कारण कचरा खुले में नजर नहीं आता। देश के दूसरे शहरों में कचरे के ढेर कई जगह नजर आते है। इस बार शहर को सुंदर बनाने पर भी जोर दिया है। सड़कों के डिवाइडरों को कलर किया गया। वॉल पेटिंग की गई है। इस बार इंदौर को प्रीमियर लीग में शामिल किया गया है। इसमें सूरत और नवी मुंबई भी है। तीनों शहरों में स्वच्छता के आंकलन का पैमाना अलग होगा। पिछले साल तीनो शहर टॉप थी में थे। निगमायुक्त शिवम वर्मा ने कहा कि 15 फरवरी के बाद इंदौर में स्वच्छता सर्वेक्षण की टीम आ सकती है। हमने तैयारी पूरी कर रखी है ।

मप्र बोर्ड परीक्षा में केंद्रों के बाहर रखी जाएंगी नकल पेटियां, लगेंगे जैमर

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। मध्यप्रदेश में 25 फरवरी से शुरू हो रहीं एमपी बोर्ड की 10वीं-12वीं की परीक्षाओं में इस बार कई बदलाव किए गए हैं। साथ ही नकल रोकने के लिए भी पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। पहली परीक्षा केंद्रों के बाहर नकल पेटियां रखी जाएंगी। इसमें विद्यार्थी स्वेच्छा से नकल सामग्री डाल सकेंगे। साथ ही इस बार परीक्षा के दौरान की निगरानी ऑनलाइन की जाएगी, जिसके लिए मंडल में कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाने के निर्देश दिए गए हैं। एमपी बोर्ड की 10वीं-12वीं की परीक्षाओं में इस बार 32 पेज की उत्तर पुस्तिका दी जाएगी। इस बार परीक्षाओं में सप्लीमेंट्री कॉपी का उपयोग पूरी तरह बंद कर दिया गया

है।एमपी बोर्ड से मिली जानकारी के मुताबिक परीक्षा के दौरान नकल और पेपर लीक के मामले सामने आते हैं। इसमें अधिकतर स्थानों पर मोबाइल का प्रयोग कर लोग पेपर लीक जैसी घटनाओं को अंजाम देते हैं। इसी को देखते हुए विभाग ने प्रत्येक परीक्षा केंद्र का भौतिक निरीक्षण कराया। जिसकी रिपोर्ट गोपनीय टीम ने बनाकर दी है। इनमें करीब 300 परीक्षा केंद्रों पर पेपर लीक और नकल की संभावना को देखते हुए संबंधित परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाने की योजना बनाई गई है। जिससे बोर्ड परीक्षा के दौरान इंटरनेट और संचार गतिविधियों को रोका जा सके।

इन परीक्षाओं में शामिल होगें16.60 लाख स्टूडेंट

इन परीक्षाओं में करीब 16.60 लाख स्टूडेंट शामिल हो रहे हैं। इसमें 10वीं में करीब 9.53 लाख और 12वीं में 7.06 लाख परीक्षार्थी शामिल होंगे। बोर्ड ने परीक्षा के लिए 3887 केंद्र बनाए हैं। 10वीं-12वीं परीक्षा में विद्यार्थियों को दो तरह की उत्तर पुस्तिकाएं मिलेंगी। मुख्य विषयों की 32 पेज की और वोकेशनल कोर्स के साथ संस्कृत विषय की कॉपी में 20 पेज होंगे। इसी तरह प्रायोगिक परीक्षाओं में 10वीं के विद्यार्थियों को 8 और 12 वीं के विद्यार्थियों को 12 पेज की कॉपियां मिलेंगी। गणित विषय में 32 पन्नों की ग्राफ कॉपी मिलेगी। सप्लीमेंट्री कॉपी नहीं दी जाएगी। 500 से ज्यादा अतिसंवदेनशील और संवेदनशील केंद्र प्रदेश भर में बोर्ड परीक्षाओं के लिए 3 हजार 887 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें करीब 500 से अधिक संवेदनशील और अतिसंवेदनशील केन्द्र हैं। इन केन्द्रों ने सबसे अधिक ग्वालियर-चंबल संभाग के हर जिले में खतरा पैदा किया है। वहीं मुरैना में सबसे अधिक 44 केन्द्र अतिसंवेदनशील और 10 सेंटर संवेदनशील है। हालांकि इस बार भिंड में अतिसंवेदन स्थिति में कमी आई है। यहां मात्र चार परीक्षा केन्द्र अतिसंवेदनशील की श्रेणी में रखे गये हैं, लेकिन मंडल के पास जो रिपोर्ट है। उसके अनुसार पिछले एक दशक में सबसे अधिक सामूहिक नकल के प्रकरण भी इन्हीं जिलों से आये हैं।

एमपी बोर्ड के पायलट प्रोजेक्ट के तहत मूल्यांकन की व्यवस्था बदली है, जो 10वीं-12वीं परीक्षा के कुछ विषयों पर लागू होगी। 10वीं में गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान और 12वीं में सिर्फ हिंदी विषय की आंसरशीट पर बार कोड लगाकर विद्यार्थियों की पहचान छिपाई जाएगी।

उसके बाद कॉपियां मूल्यांकनकताओं को जांचने के लिए देंगे। मूल्यांकन पूरा होने के बाद बार कोड को स्कैन कर विद्यार्थियों के अंकों को ऑनलाइन चढ़ाने में आसानी होगी। मूल्यांकन से जुड़ी दोनों व्यवस्थाओं का आंकलन किया जाएगा। कॉपी में रोल नंबर छिपाने के लिए किसी भी तरह के स्टीकर का उपयोग नहीं किया जा सकेगा।

राजधानी में देह व्यापार...तीन और गिरफ्तार, 26 दलालों की पहचान

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। राजधानी में देह व्यापार और मानव तस्करी के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। भोपाल की अशोका गार्डन पुलिस ने शहर में सक्रिय देह व्यापार के 26 दलालों की पहचान की है। इनमें से 18 को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने 6 आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की, जिसमें उन्होंने दूसरे प्रदेशों से लड़कियों को भोपाल बुलाने की बात कबूल की है। आरोपी बाहर से बुलाई गई लड़कियों के लिए रहने का इंतजाम करते थे और प्रति रात 20-30 हजार रुपए तक भुगतान करने वाले ग्राहक तलाशते थे। इसके बदले उन्हें 8 से 10 हजार रुपए तक का कमीशन मिलता था। लड़कियां मुहैया कराने की पूरी डीलिंग वॉट्सऐप पर होती थी। फोटो भेजकर लड़कियों का चयन किया जाता था। ग्राहकों के ठिकाने तक लड़कियों को लाने और वापस छोड़ने की जिम्मेदारी भी दलालों की होती थी। आरोपियों के मोबाइल फोन से हरियाणा, दिल्ली, पंजाब और मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों की 250 से ज्यादा लड़कियों की तस्वीरें बरामद हुई हैं। गिरोह के सरगना आशुतोष वाजपेयी और महक यादव हैं, जो फिलहाल मानव तस्करी के मामले में भोपाल जेल में बंद हैं। अशोका गार्डन पुलिस ने 26 जनवरी को दोनों को गिरफ्तार किया था। इससे पहले दोनों शाहपुरा इलाके में 17 अप्रैल 2024 को होटल के स्क्वायर में कॉल गर्ल की हत्या के मामले में भी जेल जा चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि, भोपाल में देह व्यापार का सबसे बड़ा नेटवर्क महक और आशुतोष ही संचालित कर रहे हैं। मानव तस्करी के मामले में इन दोनों की गिरफ्तारी के बाद ही भोपाल में लड़कियों की सप्लाई करने वाले सबसे बड़े गिरोह का खुलासा हुआ।

महिला सहित तीन को रिमांड पर लिया

पुलिस ने आरोपी निधि अग्रवाल, कोलार निवासी मकबूल अली और अर्जुन पटेल को कोर्ट में पेश कर 18 फरवरी तक रिमांड पर लिया है। मंगलवार को पुलिस ने पूजा ठाकुर उर्फ डिंपी, कुल्दीप उर्फ कुणाल और नवेद खान को कोर्ट में पश कर रिमांड पर लिया था। अब पुलिस सभी 6 आरोपियों का आमना सामना कराएगी और उनके नेटवर्क और सभी की भूमिका के संबंध में पूछताछ करेगी।

पुलिस की अब तक की जांच में सभी आरोपियों द्वारा भोपाल और आस पास के जिलों में लड़कियां सप्लाई करने की बात सामने आ चुकी है। मोटी रकम कमाने के लिए आरोपी नाबालिग लड़कियों को भी सप्लाई करने का काम करते थे।

गिरोह के सरगना के शहर में कई घर

पुलिस के मुताबिक, गिरोह के सरगना आशुतोष वाजपेयी की शहर में कई जगह संपत्ति सामने आई है। यह करोड़ों की बताई जा रही है। इनमें अरेरा कॉलोनी स्थित घर, कोलार, शाहपुरा सहित कई जगह घर मिले हैं। पुलिस नगर निगम से इसकी अचल संपत्ति की जानकारी निकलवा रही है। अधिकारियों का कहना है कि, आरोपी आशुतोष की कमाई का जरिया कुछ खास नहीं। कहीं न कहीं इस काली कमाई से यह संपत्ति अर्जित की गई।

10-15 दिन से ज्यादा एक लड़की को शहर में नहीं रखते थे

आरोपी प्रदेश के बाहर से बुलाई लड़कियों को 10-15 दिन से ज्यादा भोपाल में नहीं रखते थे। उनकी पूरी सुरक्षा का ध्यान रखा जाता था। कॉल पर जाने से पहले महक और आशुतोष के गुर्गे साथ जाते थे। ग्राहक द्वारा बताए पते तक गुर्गे ही छोड़ते थे, जब तक लड़की लौटती नहीं थी, आस पास ही रहते थे। मोबाइल पर लड़कियों से लगातार संपर्क में रहते थे। जबकि शहर में काम करने वाले उनके 26 मुख्य दलाल अलग-अलग इलाकों में सक्रिय रहकर हाई प्रोफाइल ग्राहकों की तलाश करते थे। पूरी डील भी दलाल ही करते थे।

सीएम डॉ. यादव की सिख समाज को बड़ी सौगात

ग्वालियर नगर द्वार का नाम हुआ 'दाता बंदी छोड़ द्वार'

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिख समाज को एक बड़ी सौगात दी। उन्होंने ऐलान किया कि ग्वालियर के मुरैना मार्ग स्थित नगर द्वार का नाम पवित्र सिख धर्म के छठवें गुरु हरगोविंद सिंह जी महाराज के नाम पर ह्यदाता बंदी छोड़ द्वारह्न किया जाएगा। सीएम ने कहा कि ग्वालियर और चंबल संभाग में सिक्ख समुदाय का बड़ा प्राचीन गौरवशाली इतिहास रहा है। यहां बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोग निवास करते हैं।सीएम ने ग्वालियर के साथ जुड़े गुरु हरगोविंद सिंह जी महाराज के इतिहास को स्मरण करते हुए बताया कि मुगल शासक जहांगीर ने उन्हें धोखे से कैद कर लिया व ग्वालियर के किले में बंदी बनाकर रखा। गुरु हरगोविंद सिंह जी के साथ वहां 52 हिंदू राजा भी बंदी बनाकर रखे गए थे। जब जहांगीर को गुरु हरगोविंद जी के आध्यात्म, शौर्य, पराक्रम और सिख गुरुओं के बलिदान की जानकारी मिली तो उसे अपनी भूल का एहसास हुआ। इसके बाद जहांगीर ने गुरु साहिब को रिहा करने का आदेश दिया। लेकिन गुरु साहिब ने शर्त रखी कि वे तभी किले से बाहर आएंगे, जब वहां पहले से बंदी 52 हिंदू राजाओं को भी छोड़ा जाएगा। बंदी हिंदू राजाओं को मुक्त कराकर ही गुरु साहिब बाहर आये। इसे बंदीछोड़ दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इसी महान गाथा की स्मृति में ग्वालियर के नगर द्वार का नाम अब दाता बंदी छोड़ द्वार के रुप में पहचाना जाएगा। साथ ही सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार और ग्वालियर स्मार्ट सिटी मिलकर इस गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए इस द्वार के माध्यम से देश-दुनिया तक ये गाथा पहुंचा रहे हैं।

किसानों को गौपालन और सोलर पंप लगाने के लिए प्रेरित करें

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की कार्यकारिणी सभा की 15वीं बैठक मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में आयोजित हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि जन अभियान परिषद से जुड़े स्वयंसेवी संगठनों और प्रस्फुटन समितियों को किसानों को सोलर पंप लगाने और गोपालन को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि प्रदेशभर में इन दोनों गतिविधियों को अभियान के रूप में संचालित किया जाए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके।इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने जन अभियान परिषद द्वारा महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के तहत समाज कार्य स्नातक पाठ्यक्रम के व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण पुस्तिका का विमोचन किया। साथ ही, उन्होंने जन अभियान परिषद के संभागीय समीक्षा प्रतिवेदन 2024-25 और स्वैच्छिक संगठनों का संसार पुस्तिका का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राज्य के सामाजिक कार्यों को और मजबूती देने के लिए जन अभियान परिषद के प्रयासों की सराहना की और प्रदेश के विकास के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

सौरभ की डायरी ने उगले नाम, आरटीओ अफसरों और ज्वैलर्स की बढ़ेंगी मुश्किलें

भोपाल। पूर्व आरटीओ कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा केस में नया मोड़ आ गया है। ईडी की जांच में सौरभ की डायरी से आरटीओ अफसरों और ज्वैलर्स के नाम मिले हैं। ये लोग सौरभ के अवैध कामों में शामिल हो सकते हैं। इस बात ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया है। सौरभ, चेतन और शरद लंबे समय से जांच एजेंसियों को गुमराह कर रहे थे। किसी भी बात का सीधा उत्तर भी नहीं दे रहे थे। गाड़ी से मिला 52 किलो सोना और कैश किसका है, यह अभी भी रहस्य बना हुआ है। सौरभ ने इतनी संपत्ति कैसे बनाई, यह भी पता नहीं चल पाया है। इस सौरभ की डायरी ने बाहर आते ही तहलका मचाना शुरू कर दिया। कांग्रेस पार्टी काफी समय से इस डायरी की जांच की मांग कर रही है। पूर्व आरटीओ आरक्षक सौरभ शर्मा भ्रष्टाचार के एक बड़े जाल में फंसता नजर आ रहा है। ईडी की जांच में सौरभ की डायरी से दर्जनों आरटीओ अधिकारियों और ज्वैलर्स के नाम सामने आए हैं। यह डायरी उसी गाड़ी से मिली थी जिसमें 52 किलो सोना बरामद हुआ था। इन सभी लोगों को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा जाएगा। माना जा रहा है कि ये सभी लोग सौरभ के अवैध धंधों में शामिल हो सकते हैं। सौरभ के साथी चेतन और शरद भी जांच एजेंसियों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे थे। सौरभ शर्मा और चेतन दोनों का दावा है कि उनका फोन चोरी हो गया है। इससे जांच में और भी मुश्किलें आ रही हैं। हालांकि, जांच एजेंसियां उनके कॉल रिकॉर्ड (सीडीआर) निकलवा रही हैं और डायरी में मिले नामों की भी जांच कर रही हैं।

सरकारी नौकरी मिलते ही 'ब्रेकअप'...फिर पति की तरफ पलटकर नहीं देखा

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। मध्यप्रदेश में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। राजीव (बदला हुआ नाम) नाम के युवक ने दो साल पहले लव मैरिज की थी। हालांकि यह रिश्ता अंजाम तक छह साल के प्यार के बाद पहुंचा था। राजीव एक प्राइवेट फर्म में काम करता है। सोनल (बदला हुआ नाम) से उसकी मुलाकात एक सामाजिक कार्यक्रम के दौरान हुई थी। प्यार में पड़ने के बाद राजीव ही प्यार चला, फिर शादी हो गई। लेकिन शादी के कुछ महीनों बाद ही रिश्ते में दरार आ गई और मामला कोर्ट पहुंच गया। इसके पीछे सोनल की सरकारी नौकरी का हाथ बताया जा रहा है। पीड़ित राजवी 8 साल तक सोनल का खर्च उठाता रहा। 6 साल के प्रेम-प्रसंग के बाद दोनों ने शादी की थी। लेकिन शादी के तीन महीने बाद ही रिश्ते में खटास आ गई। सोनल को सरकारी नौकरी मिल गई और उसकी सोच बदल गई। उसे राजीवन नागवार गुजरने लगा। उसने राजीव से बातचीत बंद कर दी। अंततः मामला कोर्ट पहुंच गया। कोर्ट ने दोनों को काउंसलर के पास भेजा ताकि रिश्ते को बचाया जा सके। काउंसलिंग सेशन में राजीव ने घंटों सोनल से माफी मांगी, मिन्नतें कीं। लेकिन सोनल ने उसकी तरफ देखा तक नहीं।

राजीव 8 साल से करवा चौथ का व्रत रख रहा है, लेकिन सोनम का दिल नहीं पसीजा। वहीं, एक तरफ पति का अटूट प्रेम और दूसरी तरफ पत्नी की बेरुखी, ये मामला रिश्तों की नाजुकता को दर्शाता है। सोनल की सरकारी नौकरी के बाद उसका व्यवहार बदल गया, यह भी एक अहम पहलू है। यह घटना समाज में बदलते रिश्तों और महत्वाकांक्षाओं की एक तस्वीर पेश करती है।

दिव्यांग कोटे से अधिकारी बनीं प्रियंका कदम के डांस पर सवाल

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। दिव्यांग कोटे में जिला आबकारी अधिकारी के पद पर चुनी गईं प्रियंका कदम अपने एक कदम से विवादों में घिर गई हैं। उनके जमकर डांस करने का वीडियो वायरल होने के बाद बेरोजगार युवाओं के संगठन ने उसके चयन को लेकर सवाल उठाए हैं। इस संगठन ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की राज्य सेवा परीक्षा 2022 में गड़बड़ी के आरोप लगाते हुए मोहन यादव सरकार से जांच करने की मांग की है।प्रियंका ने खुद को अस्थिबाधित बताया था। ह्यनेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियनह्न की राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य राधे जाट ने कहा कि प्रियंका कदम खुद को अस्थिबाधित बताकर मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की आयोजित राज्य

सेवा परीक्षा 2022 में विकलांग कोटा के तहत शामिल हुई थीं। इस परीक्षा के पिछले महीने घोषित परिणाम के मुताबिक, प्रियंका कदम का चयन जिला आबकारी अधिकारी के पद पर हुआ है।राधे जाट ने कहा कि प्रियंका कदम के डांस करने के वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं। इनमें उन्हें जमकर नाचते देखा जा सकता है। उन्होंने एमपीपीएससी की आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में गड़बड़ी के आरोप लगाए। उन्होंने मांग की कि इस परीक्षा में दिव्यांग कोटे से चयनित सभी उम्मीदवारों की भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच की जानी चाहिए।

पुष्टि किए जाने के बाद ही सरकारी नियुक्तिदी जाए

राधे जाट ने कहा कि उम्मीदवारों की घोषित दिव्यांगता की एम्स के चिकित्सकों द्वारा पुष्टि किए जाने के बाद ही उन्हें सरकारी नियुक्ति दी जानी चाहिए। सिविल सेवा परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों पर खबर लिखे जाने तक एमपीपीएससी की प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है। इस बीच प्रियंका कदम ने कहा कि सिविल सेवा में मेरे चयन में गड़बड़ी के आरोप गलत हैं। मैं एक सामान्य पृष्ठभूमि से हूं। मैंने जीवन में अपने दम पर कड़ा संघर्ष करके मुकाम हासिल किया है। राधे जाट ने कहा कि साल 2017 के दौरान जब वह दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएसएसी) की परीक्षा की तैयारी कर रही थीं, तब बाथरूम में गिरने से उन्हें कूल्हे की हड्डियों में गंभीर चोट लगी थी। एमआरआई जांच में उन्हें एवैस्कुलर नेक्रोसिस (एवीएन) नामक बीमारी होने के बारे में पता चला था जिसके बाद उनकी चार बार सर्जरी हो चुकी है। एवैस्कुलर नेक्रोसिस ऐसी बीमारी है जिसमें हड्डियों को रक्त की आपूर्ति में रुकावट के कारण मरीज की हड्डियों के ऊतक मरने लगते हैं।

प्रियंका कदम ने किया यह दावा

प्रियंका कदम ने यह भी दावा किया कि इस समस्या के कारण उन्हें 45 प्रतिशत दिव्यांगता है। मैं किसी व्यक्ति को पहली नजर में एक आम महिला की तरह नजर आ सकती हूं, लेकिन जटिल सर्जरी के दौरान लगाए गए इम्प्लांट के कारण ही मैं चल-फिर पाती हूं। डॉक्टरों के सुझाव के मुताबिक, पांच से 10 मिनट तक नाच भी सकती हूं। हालांकि, मुझे कई बार दर्द निवारक दवाएं भी लेनी होती हैं।

प्रियंका बोलीं- मेरा मनोबल ऊंचा है

प्रियंका कदम ने कहा कि मुझे डांस करने का बचपन से शौक है। मेरा मनोबल ऊंचा है। मैं खुद को पॉजिटिव रखने के लिए थोड़ा डांस कर लेती हूं। बता दें कि प्रियंका राज्य सरकार के कोष एवं लेखा विभाग के उज्जैन स्थित संभागीय कार्यालय में सहायक आंतरिक लेखा परीक्षण अधिकारी के रूप में पदस्थ हैं। वह राज्य सेवा परीक्षा 2022 में जिला आबकारी अधिकारी के पद पर चुनी गई हैं, हालांकि प्रक्रिया जारी रहने के कारण उन्हें इस पद पर नियुक्ति नहीं मिली है।

सम्पादकीय

वायुसेना प्रमुख को हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स भरोसा क्यों नहीं?

प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के इस बयान का चर्चा में आ जाना हैरत पैदा करता है कि उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनी एचएएल की क्षमता पर भरोसा नहीं है। हालांकि यह किसी आधिकारिक ब्रीफिंग का हिस्सा नहीं था, लेकिन यूट्यूब पर जारी विडियो एयरो इंडिया से जुड़े कार्यक्रम का है। वैसे यह कोई पहला मौका नहीं है जब देश के किसी वायु सेना प्रमुख ने एचएएल की ओर से सप्लाई में देरी को मुद्दा बनाया हो, लेकिन जिस तरह से और जिस मौके पर यह बयान आया, वह सामान्य नहीं है। देश की रक्षा तैयारियों को लेकर इस तरह के विवाद कोई अच्छा संदेश नहीं देते।

भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह लड़ाकू विमान तेजस बनाने वाली कंपनी एचएएल यानी हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से खफा हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें कंपनी पर भरोसा नहीं रहा है। उन्होंने विमानों की डिलीवरी में हो रही देरी पर खुलकर नाराजगी जारी की है। एक रिपोर्ट के अनुसार एक वीडियो में सिंह कहते दिखाई दे रहे हैं कि आपको हमारी चिंताएं दूर करनी होंगी और हमें भरोसा दिलाना होगा। इस समय मुझे एचएएल पर भरोसा नहीं है, जो कि बहुत बुरी बात है। उन्होंने कथित तौर पर एचएएल को लेकर कहा कि मैं आपको (एचएएल) को यह बता सकता है कि हमारी जरूरतें और चिंताएं क्या हैं। खबरें हैं कि उनके इस बयान से विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल बेंगलुरु में एयरो इंडिया 2025 के दौरान वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के इस बयान का चर्चा में आ जाना हैरत पैदा करता है कि उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनी एचएएल की क्षमता पर भरोसा नहीं है। हालांकि यह किसी आधिकारिक ब्रीफिंग का हिस्सा नहीं था, लेकिन यूट्यूब पर जारी विडियो एयरो इंडिया से जुड़े कार्यक्रम का है। वैसे यह कोई पहला मौका नहीं है जब देश के किसी वायु सेना प्रमुख ने एचएएल की ओर से सप्लाई में देरी को मुद्दा बनाया हो, लेकिन जिस तरह से और जिस मौके पर यह बयान आया, वह सामान्य नहीं है। देश की रक्षा तैयारियों को लेकर इस तरह के विवाद कोई अच्छा संदेश नहीं देते। इस बयान के पीछे छुपी वायु सेना प्रमुख की चिंता समझी जा सकती है। एयरफोर्स को फाइटर जेट तेजस यानी एलसीए एमके-1-ए मिलने में एक साल से ज्यादा की देर हो चुकी है। इस तरह की देरी बहुत गंभीर है। इससे एयरफोर्स की लड़ाकू क्षमता इससे प्रभावित होती है। एयरचीफ मार्शल की इस शिकायत को हलके में नहीं लिया जा सकता कि बार-बार कहने और नई डेडलाइन देने के बाद भी उसका पालन नहीं हो पा रहा। सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर इस तरह की देरी की क्या वजहें हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार एचएएल इस देरी का जिम्मेदार 1998 में हुए परमाणु परीक्षण के बाद लगे प्रतिबंधों को बताती है। वायुसेना प्रमुख की तरफ से उठाई गई आपत्ति को लेकर एचएएलके सीएमडी डीके सुनील ने कहा है कि मैं आपको बताता हूं। आप जानते हैं कि हम (भारत) हमारे 1998 में हुए परमाणु परीक्षण के बाद प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में हमें शुरुआत से चीजें तैयार करनी होती है। इसमें काफी मेहनत लग गई है। देरी की वजह आप आलस नहीं कह सकते। उन्होंने कहा कि वायुसेना प्रमुख की चिंता को हम समझते हैं, क्योंकि उनके स्क्वॉड्रन की ताकत घट रही है। हम वादा करते हैं कि हम स्ट्रक्चर तैयार कर लेंगे। साथ ही हमने कई बैठकों में अलग-अलग स्तर पर यह बात कही है। एचएएल ने यह भी कहा कि उन्हें मार्च के अंत तक 11 तेजस विमान डिलीवर करने का भरोसा है। एचएएल अमेरिकी कंपनी जीई पर 80 फीसदी टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर जोर दे रहा है। यह जीई-414 इंजन के लिए दे रहा है, जो तेजस के अलग-अलग वेरिएंट्स को ताकत देती हैं। हालांकि बाद में एचएएल की ओर से कहा गया है कि जो भी तकनीकी बाधाएं थीं, वे अब दूर हो गई हैं और इसीलिए आने वाले तीन वर्षों की समयावधि में एयरफोर्स को 83 तेजस दे दी जाएंगी। दरअसल इस प्रक्रिया से कई तरह की जटिलताएं जुड़ी होती हैं। देरी की एक बड़ी वजह अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस की ओर से समय पर एफ 404 इंजन की सप्लाई नहीं हो पाना भी है।

गिरफ्तार लोगों को भी पूरा अधिकार

संविधान के किसी सुधी विद्यार्थी से आज यदि यह यक्ष प्रश्न पूछा जाए कि सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है, तो इसका उत्तर देने में वह तनिक भी देर नहीं करेगा। वह कहेगा कि संविधान के लागू होने के 75 वर्ष बाद आज भी किसी गिरफ्तार-बीमार को अस्पताल के बिस्तर से बांधकर रखा जाता है। आज भी उसे गिरफ्तारी का कारण नहीं बताया जाता है और गिरफ्तारी के 24 घंटे के अंदर उसे मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने से बचा जाता है, यही सबसे बड़ा आश्चर्य है।

संविधान के किसी सुधी विद्यार्थी से आज यदि यह यक्ष प्रश्न पूछा जाए कि सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है, तो इसका उत्तर देने में वह तनिक भी देर नहीं करेगा। वह कहेगा कि संविधान के लागू होने के 75 वर्ष बाद आज भी किसी गिरफ्तार-बीमार को अस्पताल के बिस्तर से बांधकर रखा जाता है। आज भी उसे गिरफ्तारी का कारण नहीं बताया जाता है और गिरफ्तारी के 24 घंटे के अंदर उसे मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने से बचा जाता है, यही सबसे बड़ा आश्चर्य है।

हमारे संविधान ने हमें जीवन और दैहिक स्वतंत्रता का मूल अधिकार दिया है। अनुच्छेद—21 के इस अधिकार को हमारी अदालतों ने भी मानवीय विस्तार दिया है। अदालतों ने साफ किया है कि जीने के अधिकार का मतलब केवल पशुवत अस्तित्व नहीं है, अपितु इसका तात्पर्य यह है कि हमें मानवीय गरिमा के साथ जीने का अधिकार होगा। यथासम्भव हथकड़ी-बेड़ी नहीं लगाई जाएगी, शुद्ध हवा मिलेगी तथा स्वच्छ पानी मिलेगा। हमारा संविधान यह मानता है कि केवल गिरफ्तार होने से ही हमारे सभी अधिकार समाप्त नहीं होते हैं, बल्कि न्याय सुनिश्चित करने के लिए कुछ अलग अधिकार भी मिलते हैं। जैसे अनुच्छेद-22 में कहा गया है कि गिरफ्तार व्यक्ति को उसकी गिरफ्तारी का कारण बताया जाएगा, ताकि वह अपनी रक्षा कर सके। उसे अपनी पसंद के वकील से परामर्श की अनुमति होगी तथा यह भी कि गिरफ्तारी के 24 घंटे के अंदर उसे मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा, ताकि पुलिस के सम्भावित दुर्व्यवहार से उसे पर्याप्त सुरक्षा मिल सके।

संविधान के विद्यार्थी के आश्चर्य की सबसे बड़ी वजह यह है कि आम लोगों के लिए आज भी गिरफ्तार किए गए बीमार व्यक्ति के लिए अनुच्छेद-21 और 22 केवल काले अक्षरों का समूह है। उन्हें आज भी कई जगह जंजीरों में बांधकर रखा जाता है। बगैर लिखत-पढ़त के थाने में लंबे समय तक बैठाया जाता है और गिरफ्तारी का कारण भी नहीं बताया जाता है। अपनी पसंद के वकील की मदद लेना तो बहुत दूर की बात है। सबसे त्रासद यह कि इन बुनियादी अधिकारों के लिए देश की सबसे बड़ी अदालत तक जाना पड़ता है। यह अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि देश की बड़ी आबादी सुप्रीम कोर्ट तक जाने की कल्पना भी नहीं कर सकती। अफसोस, कई जगह पुलिस अपने रवैए में बदलाव नहीं कर रही है, तो अन्याय के शिकार अधिकतर लोग आज भी अपने मूल अधिकारों से वंचित रह जाते हैं।

बीती 7 फरवरी, 2025 को इसी तरह का एक मुकदमा जब सर्वोच्च न्यायालय के सामने आया, तब उसकी तीखी टिप्पणी भी सामने आई। प्रस्तुत मामले में पुलिस ने संविधान की सरासर अनदेखी की थी। 10 जून, 2024 को तकरीबन एक साल पुरानी प्राथमिकी के आधार पर विहान कुमार को गुरुग्राम के उनके दफ्तर से साढ़े दस बजे गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें अगले दिन 11 फरवरी, 2025 को मजिस्ट्रेट के सामने लाया गया। तब तक 24 घंटे से ज्यादा समय गुजर चुका था, जो अनुच्छेद-22 में दिए गए मूल अधिकार का उल्लंघन था। अभियुक्त की गिरफ्तारी के समय उसे कारण नहीं बताया गया, जबकि अनुच्छेद-22 के अंतर्गत यह हर भारतीय का मूल अधिकार है। हद तो तब हो गई, जब बीमार होने के बावजूद विहान कुमार को अस्पताल में हथकड़ी लगाकर बिस्तर से बांध दिया गया। और तो और, जिला अदालत और उसके बाद उच्च न्यायालय से भी उन्हें न्याय नहीं मिल पाया और सर्वोच्च न्यायालय का द्वार खटखटाने के लिए मजबूर होना पड़ा। सुनवाई हुई, तो गिरफ्तारी के 9 महीने और 27 दिन बाद उन्हें न्याय मिल सका। न्यायमूर्ति अभय एस ओका तथा न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने विहान कुमार को छोड़ने का आदेश दिया और आगे ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए व्यापक निर्देश भी जारी किए।

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि गिरफ्तारी के समय अभियुक्त को गिरफ्तारी का कारण बताया जाना केवल औपचारिकता नहीं है, अपितु यह उसका मूल अधिकार है। अभियुक्त को समझ में आने वाली भाषा में उसे गिरफ्तारी का कारण बताया जाना चाहिए, ताकि वह प्रभावी तरीके से अपना बचाव कर सके। इसका पालन नहीं किए जाने पर गिरफ्तारी अवैध मानी जाएगी। अभियुक्त को गिरफ्तारी के 24 घंटे के भीतर निकटतम मजिस्ट्रेट के सामने अवश्य पेश किया जाना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने जिला अदालतों और उच्च न्यायालयों को भी निर्देश किया कि उनके सामने यदि गिरफ्तारी से जुड़ा कोई मामला आता है, तो वे यह सुनिश्चित करें कि अभियुक्त के अधिकारों की किसी भी तरह से अनदेखी नहीं हो।

सर्वोच्च न्यायालय ने पुलिस की अमानवीयता पर चिंता और आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा है कि संविधान के अनुच्छेद-21 में प्रदत्त जीवन के अधिकार का मतलब केवल पशुवत अस्तित्व से नहीं है, अपितु इसका मतलब है कि गिरफ्तार व्यक्ति को भी मानवीय गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। अदालत ने आगे कहा कि किसी भी बीमार व्यक्ति को चाहे वह अभियुक्त ही क्यों न हो, हथकड़ी लगाकर अस्पताल के बिस्तर से बांधना मानवीय गरिमा के विरुद्ध है। अदालत ने हरियाणा सरकार को निर्देश जारी किया कि वह यह सुनिश्चित करे कि भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं हो।

सात साल से अधिक कारावास के मामलों में गिरफ्तारी पर न्यायालय ने व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने पुरानी दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41(1) तथा मौजूदा भारतीय नागरिक सुरक्षा कारावास 35 का हवाला देते हुए कहा है कि सात वर्षों से अधिक के कारावास से दंडनीय अपराधों की सूचना मिलने पर पुलिस केवल तभी गिरफ्तारी कर सकती है, जब उसके पास इस तथ्य पर विश्वास करने का पर्याप्त कारण हो कि अभियुक्त ने अपराध किया है। पुलिस गिरफ्तारी प्रक्रिया को कतई हल्के में न ले। गिरफ्तारी की स्थिति में अभियुक्त की प्रतिष्ठा और जीवन का अधिकार दांव पर लगा होता है, इसलिए सात वर्षों से अधिक अवधि के लिए दंडनीय अपराधों में भी गिरफ्तारी से पहले यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके पास पर्याप्त साक्ष्य हैं या अभियुक्त के भाग जाने की आशंका है। इस ताजा फैसले का दूरगामी प्रभाव होने वाला है। गिरफ्तारी के मामलों में 1997 का डी के बासु के मुकदमे में सुप्रीम कोर्ट ने व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए थे। उनका पालन करने के लिए देश भर में अभियान चलाया गया था। फिर भी विहान कुमार जैसे मामलों के होने से यह प्रश्न खड़ा होता है कि आखिर अदालत के प्रयासों के बावजूद इन सांविधानिक प्रावधानों को अमली जामा क्यों नहीं पहनाया जा सका है?

क्या अब विपक्षी एकता कायम रहेगी?

राजनीति में कब क्या हो जाए, कुछ भी नहीं कहा जा सकता। इसलिए ही तो राजनीति को अनिश्चितता का खेल कहा जा सकता है। लेकिन जब राजनेता और राजनीतिक दल इस धारणा को तिलांजलि देते दिखाई देते हैं, तो उस अवस्था को अति आत्म विश्वास के भाव में व्यक्त किया जाता है। अति आत्मविश्वास का होना सदैव विनाशकारी और आत्म घातक माना जाता है। ऐसा ही दुखद अध्याय दिल्ली विधानसभा के चुनाव में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी के नेताओं का व्यवहार निश्चित ही ऐसा होता जा रहा था, जो अति विश्वास को ही परिलक्षित करने वाला ही था। हालांकि किसी किसी भी चुनाव के दो पहलू होते हैं। किसी भी चुनाव क्षेत्र में केवल एक ही व्यक्ति विजय प्राप्त करता है, शेष सभी पराजित ही होते हैं। पराजय निश्चित रूप से गलती सुधारने का अवसर प्रदान करती है। आम आदमी पार्टी इस पराजय को अपनी भूल सुधार के लिए स्वीकार करेगी, यह होना चाहिए, लेकिन आम आदमी पार्टी के नेता ऐसा करने की मानसिकता में दिखाई नहीं देते। इसका कारण यही है कि उनमें राजनीतिक दल की सरकार को चलाने का अनुभव नहीं है। आम आदमी पार्टी के नेताओं का अभी भी यह मानना है कि उनकी पार्टी मात्र दो प्रतिशत के अंतर से हारी है, लेकिन उनको पता होना चाहिए कि एक प्रतिशत का अंतर भी राजनीति का दृश्य बदल सकता है। इसलिए यही कहा जा सकता है कि हार तो हार होती है, उसके तर्क का सहारा लेकर मन को दिलासा दी जा सकती है, जीत नहीं मानी जा सकती।

वैसे विपक्ष को इसकी आदत सी हो गई है कि वह हार को आसानी से स्वीकार नहीं कर पाता। पिछले लोकसभा के चुनाव परिणाम आने के बाद भी ऐसी ही तस्वीर दिखाने का प्रयास किया गया कि विपक्ष ने मानो सरकार बनाने लायक जीत हासिल कर ली हो, लेकिन तस्वीर का असली चेहरा कुछ और ही था।

वर्तमान राजनीतिक उतार चढ़ाव का अध्ययन किया जाए तो यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी राजनीतिक दल सत्ता में आने के लिए एक होने की कवायद कर चुके हैं, लेकिन यह कवायद परवान नहीं प्राप्त कर सकी। लोकसभा चुनाव के समय इंडी गठबंधन बनाकर तमाम भाजपा विरोधी दलों ने कई राज्यों में एकता का दिखावा किया। लेकिन कई राज्यों के विधानसभा चुनाव के समय इंडी गठबंधन के दल एक साथ न होकर बिखरे हुए दिखाई दिए। अब आगे चलकर एकता के प्रयास किए तो जाएंगे, लेकिन वे एक साथ हो जाएंगे, इस बात की संभावना बहुत कम दिखाई देती है। सीधे अर्थों में कहा जाए तो विपक्षी एकता को कई बार झटके लग चुके हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार विपक्ष की एकता के लिए एक और बड़ा झटका माना जा रहा है। कांग्रेस ने जिस प्रकार से आम आदमी पार्टी को सत्ता से बाहर करने का सुनियोजित षड्यंत्र किया, वह चुनाव परिणाम आने के बाद पूरी तरह से सामने आ गया। ऐसी स्थिति में अब कांग्रेस और आम आदमी पार्टी एक मंच पर आएंगे, इस बात की संभावना बहुत कम ही है। हालांकि कांग्रेस की ओर अपनाई गई यह रणनीति कोई नई बात नहीं है। कई दलों को ऐसा झटका मिल चुका है, स्वयं आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में ऐसा ही राजनीतिक खेल खेलकर कांग्रेस को सत्ता में आने से रोक दिया था।

जहां तक विपक्षी एकता की बात है तो इसकी जड़ों में मट्ठा डालने का काम खुद इंडी गठबंधन या भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों ने किया है। कई राज्यों में एक दूसरे के विरोध में ताल ठोकने वाले यह दिखावे की एकता वाले राजनीतिक दल आगे भी ऐसी ही नीति का अनुसरण करेंगे, इस बात की गुंजाईश ज्यादा दिखाई देती है। क्योंकि गठबंधन में शामिल होने का दावा करने वाले राजनीतिक दल किसी भी दल से पीछे रहने की मानसिकता में दिखाई नहीं देते। कांग्रेस भी इसी मानसिकता से ग्रसित दिखाई देती है। राज्यों तक प्रभाव रखने वाले क्षेत्रीय राजनीतिक दल कांग्रेस को बेहद कमजोर मानकर व्यवहार कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कई बार कांग्रेस को आईना दिखाते हुए व्यवहार किया है। ऐसी स्थिति में पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और ममता बनर्जी की पार्टी एक साथ आकर पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे, दूर की बात दिखती है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने भी कांग्रेस को जमीन दिखाने के प्रयास में खुद के लिए आत्म घाती रास्ता तैयार किया। यह बात सही है कि आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल अपने आपको कांग्रेस से बड़ा मानने लगे थे, इसलिए ही कांग्रेस से किनारा करके चुनाव मैदान में कूद गए, और पहली बार सत्ता से दूर हो गए। वर्तमान राजनीतिक स्थिति में कब क्या हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। इसलिए राजनेताओं को बड़े बोल बोलने से हमेशा बचना चाहिए। लेकिन अरविंद केजरीवाल यहां पर चूक गए। उन्होंने जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया, वह उनके अहंकार का ही परिचायक कहा जा सकता है। अब केजरीवाल को स्वयं समझ जाना चाहिए कि व्यवहार ऐसा होना चाहिए, जो प्रिय लगे।

कहा जाता है कि क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के उभार ने कांग्रेस का बंटाधार करने का ही काम किया है। कहीं कहीं यह भी सत्य है कि कांग्रेस के अप्रिय व्यवहार के चलते ही इन क्षेत्रीय दलों का गठन हुआ। इसलिए यह क्षेत्रीय राजनीतिक दल कांग्रेस के साथ मिलकर आसानी से चुनाव लड़ेंगे, यह उचित प्रतीत नहीं होता। कई राज्यों में यह भी दिखाई दिया कि जिन क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस ने समझौता किया, उन राज्यों में कांग्रेस तो डूबी ही, साथ में साथ आने वाले दलों को भी डुबा दिया। कहीं कहीं कांग्रेस को डूबता हुआ जहाज तक कहा गया। आज कांग्रेस की मजबूरी यह है कि उसे तिनके की जरूरत है। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की स्थिति में जो मामूली सुधार हुआ, उसका कारण क्षेत्रीय दलों का सहयोग ही था। उत्तरप्रदेश में अगर समाजवादी पार्टी का साथ नहीं होता तो कांग्रेस आज की स्थिति में भी नहीं होती।

दिल्ली विधानसभा चुनाव का परिणाम आम आदमी पार्टी के विजयी रथ को रोकने वाला ही साबित हुआ। यह कहीं न कहीं विपक्षी एकता के सपने को चूर चूर करने वाला भी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या अब विपक्षी एकता कायम रह पाएगी।

कैसे हो तनावमुक्त परीक्षा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों को परीक्षा से जुड़े तनाव को लेकर एक देशव्यापी चर्चा में उनका मनोबल बढ़ाने के लिए उपयोगी टिप्स दिए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप जीवन में तभी अच्छा कर पाएंगे जब आप एक हेल्दी लाइफ स्टाइल अपनाएंगे। खासकर, जब आपकी डाइट अच्छी होगी, तब आप अपने आपको केंद्रित कर पाएंगे। आप क्या खाते हैं, कितना खाते हैं और कैसे खाते हैं, यह आपके शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि नींद का कनेक्शन आपकी सेहत से जुड़ा हुआ है। अगर आपकी नींद पूरी नहीं होगी तो इसका असर आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों पर पड़ेगा। ऐसे में उन्होंने छात्रों को यह भी सुझाव दिया कि वे परीक्षा की तैयारी करने के साथ अच्छी नींद भी लें। अगर नींद ढंग से पूरी नहीं होगी तो उन्हें स्ट्रेस और तनाव से गुजरना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि अपने आपको बेहतर करने के लिए आप धूप भी लें। धूप लेना आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। परीक्षा से जुड़े तनाव को काबू में रखना कभी भी आसान नहीं होता क्योंकि छात्रों के लिए परीक्षा का समय काफी तनावपूर्ण होता है। बोर्ड परीक्षा के दौरान छात्रों को तनाव होना आम बात है, लेकिन कई बार यह तनाव छात्रों के साथ उनके पेरेंट्स को भी हो जाता है। परीक्षा को लेकर तनाव और घबराहट होना आम बात है। हर व्यक्ति की तनाव झेलने की क्षमता अलग होती है और हर व्यक्ति इसके लिए अलग तरह से रिएक्ट करता है। हालांकि कई बार छात्रों के लिए परीक्षा के इस तनाव को झेलना बेहद मुश्किल हो जाता है। परीक्षा में तनाव के कई कारण हो सकते हैं जैसे बहुत सारा सिलेबस याद करना होता है, परीक्षा में आने वाले सवालों को लेकर हमेशा अनिश्चितता बनी रहती है। तनाव की यह सीमा कई बार सामान्य से ज्यादा भी होती है। ऐसे में घबराने या डरने की जरूरत नहीं है, बल्कि इस तनाव का सामना करने की जरूरत है। परीक्षा के अलावा प्रदर्शन की अपेक्षाएं, समय सीमा, कार्यभार आदि जैसे कारक तनाव को प्रेरित कर सकते हैं। परीक्षा का तनाव कई तरीकों से छात्रों को प्रभावित करता है। यह छात्रों को परीक्षा के दौरान पढ़ाई करने और तैयारी करने से रोकता है। विद्यार्थी को अध्ययन के दौरान अपने विषय पर ध्यान केंद्रित करना कठिन लगता है और वे पुस्तकों को छोड़ भी सकते हैं। यह अच्छी तरह से तैयार छात्र को भी प्रभावित करता है। जिन छात्रों ने अच्छी तैयारी की है और उन्हें अपने पाठ्यक्रम को दोहराने की आवश्यकता है, वे भी परीक्षा-तनाव से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो सकते हैं। गंभीर परीक्षा के तनाव से स्वास्थ्य संबंधी छोटी-छोटी समस्याएं यानी सिरदर्द, बुखार, उल्टी, दस्त हो सकते हैं। परीक्षा हॉल में पेपर लिखते समय तनाव परीक्षा में छात्रों के समग्र प्रदर्शन को प्रभावित करता है। वे पेपर में सवाल का जवाब देने के बारे में सब कुछ भूल सकते हैं। हो सकता है कि वे प्रश्न के उत्तर देने में सक्षम न हों क्योंकि वे तनाव के कारण पेपर पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सकते हैं। परीक्षा का तनाव परीक्षा में आपके स्कोर को कम करता है। परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए कुछ उपाय हैं जिन्हें अपनाकर छात्र परीक्षा संबंधी तनाव को कम कर सकते हैं। सबसे पहले तनाव को हराने के लिए जरूरी है कि छात्र अपने स्कूल की पढ़ाई, असाइनमेंट और कोर्सवर्क में टॉप में रहें। उन्हें पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए और आगामी परीक्षा नहीं होने पर भी अध्ययन के समय को अपने दैनिक कार्यक्रम का हिस्सा बनाना चाहिए। उनका उचित अध्ययन कार्यक्रम होना चाहिए और उन्हें उसका पालन करना चाहिए। पढ़ाई के साथ अप-टू-डेट रहने से छात्रों को तनावमुक्त तरीके से सीखने में मदद मिलेगी। छात्रों को यह भी सीखना चाहिए कि समय का सही प्रबंधन कैसे करें?

तनावमुक्त जीवन जीने के लिए उन्हें समय प्रबंधन तकनीकों को अपनाना चाहिए। बहुत से छात्र अपनी पढ़ाई, शैक्षणिक कार्य या अन्य गतिविधियों में विलंब करते हैं, जिससे काम का ढेर लग जाता है और उन पर बोझ व तनाव बढ़ जाता है। इसलिए अनावश्यक तनाव से बचने के लिए सभी काम समय पर पूरे करने चाहिएं। छात्रों को तनाव से दूर रहने के लिए मेडिटेशन करना चाहिए। इससे उनका फोकस बढ़ता है और वे किसी काम को बिना तनाव के आराम से पूरा कर सकते हैं। वे चाहें तो अपनी मनपसंद हॉबी के लिए कुछ समय निकाल कर तनावमुक्त रह सकते हैं। छात्रों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि वे एक स्वस्थ दिनचर्या का पालन कर रहे हैं? उन्हें तनाव कम करने के लिए पर्याप्त आराम मिलना चाहिए। हर दिन कम से कम 6-7 घंटे सोना चाहिए। स्वस्थ भोजन करना और जितना हो सके जंक फूड से दूर रहें। पढ़ाई के दौरान यदि आप ज्यादा तनाव महसूस करते हैं तो आपको ऐसे व्यक्ति से बात करनी चाहिए जिस पर आप तनाव को दूर करने के लिए भरोसा करते हैं। अंदर ही अंदर तनाव विकसित करने से अच्छा है कि आप अपने विचारों को बाहर आने दें।

पेड़ से लटका मिला 55 वर्षीय व्यक्ति का शव, परिजनों ने लगाए हत्या के आरोप

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी के माधवनगर थाना क्षेत्र हाउसिंग बोर्ड नेपाली मोहल्ला निवासी 55 वर्षीय कंधी बर्मन का शव पड़ोसी के घर पिछले पेड़ पर फांसी के फंदे में झूलता हुआ मिला,जिसकी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची माधवनगर की पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से नीचे उतरवा कर शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल पहुंचवाया है। कंधी बर्मन का शव पेड़ में फांसी के फंदे में लड़का हुआ देख मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए और यह खबर पूरे इलाके में आग की तरह फैल गई। मृतक कंधी बर्मन के परिजनों ने आरोप लगाते हुए बताया कि इसी मोहल्ले के निवासी आकाश गाडरी और शनि नमक युवक कल रात को उनके घर में घुसकर मारपीट की थी और मृतक कंधी बर्मन को भी मारने की धमकी दी थी, जिसकी शिकायत परिजनों ने माधवनगर थाने में भी करने गए हुए थे लेकिन माधवनगर पुलिस ने उनकी एक न सुनी और सुबह होते ही कंधी बर्मन का शव पड़ोस में रहने वाले ज्ञानी बर्मन के घर के पीछे पेड़ में लटका हुआ मिला जिसकी सूचना मिलते माधवनगर की पुलिस पहुंच गई और शव को पेड़ से नीचे उतरवा शव का पंचनामा कार्यवाही करते हुए शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया है। वही माधवनगर थाना प्रभारी रूपेंद्र राजपूत ने बताया कि इस पूरे मामले की जांच की जा रही है और पीएम के बाद ही कुछ कहा जा सकता है वही मृतक के परिजन द्वारा लगाए जा रहे आरोपो को देखते हुए उन्हें पृथक से बुलवा बयान लिया जाएगा और बयान के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

अबूझमाड़ के केन्द्र अंदरूनी ग्राम कुतुल में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई एवं एसपी प्रभात कुमार का दौरा

ग्रामीणों को शत प्रतिशत लाभान्वित करने के दिए निर्देश

गणेश वैष्णव । सिटी चीफ (छग)
नारायणपुर, नारायणपुर कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई (भा.प्र.से.), पुलिस अधीक्षक श्री प्रभात कुमार (भा.पु.से.) और जिला पंचायत सीईओ श्रीमती आकांशा शिक्षा खलखो (भा.प्र.से.), श्री सशिगानंद के. (भा.व.से.) द्वारा पहुंचविहीन वनांचल ग्राम कुतुल पहुंचकर ग्रामीणों की चौपाल लगाकर राज्य सरकार नियद नेल्लानार योजना अंतर्गत संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शासन द्वारा संचालित विभिन्न मूलभूत योजनाओं से ग्रामीणों को लाभान्वित करने के निर्देश उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों को दिया गया। ग्रामीणों से चर्चा करते हुए आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बैंक पासबुक, महतारी वंदन, जाति प्रमाण पत्र और जन्म प्रमाण पत्र के संबंध में जानकारी लेकर जिन हितग्राहियों का नहीं बना है उनका एक सप्ताह के भीतर बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया।

नारायणपुर पुलिस विभाग द्वारा ग्राम कुतुल के आश्रम परिसर में सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कुतुल, कोडलियार, फरसबेड़ा एवं आसपास के करीबन 400 से अधिक ग्रामीण उपस्थित आये थे ग्रामीणों को उनके जरूरत के अनुसार दैनिक उपयोगी सामग्री जैसे कपड़े, जूता-चप्पल एवं खेल के प्रति युवाओं में जागरूकता लाने हेतु खेल सामग्री वितरण किया गया। साथ ही शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए स्कूली छात्र/छात्राओं को कापी पेन वितरण किया गया।

श्री प्रभात कुमार एसपी नारायणपुर ने कहा कि कुतुल में नवीन जन सुविधा एवं सुरक्षा कैम्प स्थापित होने से क्षेत्र के ग्रामीणों में काफी उत्साह और सुरक्षा का माहौल बना हुआ है। कुतुल में कैम्प स्थापित होने से आसपास के क्षेत्र में सड़क, पानी, बिजली, पुल-पुलिया, शिक्षा, स्वास्थ्य, मोबाईल नेटवर्क कनेक्टिविटी अन्य मुलभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार होगा नक्सल उन्मुलन अभियान में तेजी आयेगी।

एसपी नारायणपुर द्वारा क्षेत्र के ग्रामीणों से त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2024-25 के तृतीय चरण के मतदान दिनांक 23.02.2025 को होना है इस हेतु ग्राम कुतुल एवं आसपास क्षेत्र के ग्रामीणों को अपना मताधिकार का प्रयोग करते हुए शतप्रतिशत मतदान कर मतदान के महापर्व को सफल बनाने में योगदान देने की अपील किया गया।

शिविर में महिलाओं से चर्चा करते हुए कहा कि पढ़े-लिखे होने का लाभ उठाते हुए गांव को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने अहम भूमिका निभाएं। कलेक्टर ममगाईं एवं एसपी प्रभात कुमार ने सभी ग्रामीणों से कहा कि अपने बच्चों को शिक्षित करें और गांव के विकास में सहभागिता बनाएं। उन्होंने शिविर में गांव के नवयुवकों को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करने अधिकारी को निर्देशित किया।

कलेक्टर और एसपी ने अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि गांव के महिलाओं का समूह बनाकर शासन की योजनाओं से जोड़ने के लिए उपस्थित जनपद सीईओ को निर्देशित किया गया। महिलाओं से जानकारी लेते हुए महतारी वंदन योजना और मातृत्व वंदन योजना योजना से लाभान्वित करने के निर्देश उपस्थित महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया गया।

ग्रामीणों ने कलेक्टर एवं एसपी से सोलर पंप, सीसी सड़क और गली निर्माण कार्य की मांग की गई। तहसीलदार चिराग रामटेके के द्वारा चौपाल में ग्रामीणों को अतिवृष्टि और प्राकृतिक आपदा से लाभान्वित करने की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को अपने-अपने विभागीय योजनाओं को शत प्रतिशत लाभान्वित करने के लिए निर्देशित किया। क्षेत्र के महिलाओ द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में डिलवरी सेंटर स्थापित करते हुए स्वास्थ्य कर्मी की संख्या बढ़ाये जाने हेतु विशेष मांग किया गया जिस पर जल्द ही स्वास्थ्य कर्मी की पदस्थापना किये जाने का आश्वासन दिया गया।

ग्रामीणों द्वारा ग्राम पंचायत भवन, डबरी निर्माण, मिनी हॉलर मिल, उप स्वास्थ्य केन्द्र, खेल मैदान बनाने की मांग किए जाने पर बैठक समाप्ति के पश्चात ग्रामीणों के साथ स्थल निरीक्षण किया गया। ग्रामीणों की मांग को कलेक्टर एसपी ने शीघ्र पूरा करने का भरोसा दिलाया। बैठक समाप्त होने के बाद कलेक्टर ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ ग्राम कुतुल का भ्रमण कर गांव में पंचायत भवन, मंदिर और खेल मैदान बनाने का स्थल निरीक्षण किया।

ग्राम कुतुल भ्रमण के दौरान अतरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रोबिनसन गुड़िया, एसडीएम श्री अभयजीत मण्डावी, श्री जितेन्द्र आईटीबीपी डिप्टी कमाण्डेंट, तहसीलदार श्री चिराग रामटेके, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री लुपेंद्र महिलांग, जनपद सीईओ श्री लोकेश चतुर्वेदी, श्री विनय वर्मा इंजीनियर, स्वास्थ्य कर्मी, ग्राम सचिव सहित विभिन्न विभागीय अधिकारीगण /कर्मचारीगण उपस्थित थे।

केजेएस सीमेंट प्लांट के सुरक्षाकर्मी का दर्दनाक सड़क हादसा

प्रयागराज जा रही बस ने सुरक्षा कर्मी को कुचला

श्रीनिवास मिश्रा । सिटी चीफ
मैहर, हाईवे से शहर को आने वाले दोनों बाईपास मार्गो में इन दिनों प्रयागराज कुंभ में आने जाने वाले वाहनों का जमावड़ा इस तरह देखने को मिलता है। कि जैसे मैहर में ही कुंभ मेला लगा हो। जिला प्रशासन द्वारा वाहनों को हाईवे के किनारे रोड पर ही इस तरह खड़ा करवाया जाता है। कि शहर से मुख्य मार्ग में आने जाने वाले राहगीरों को आए दिन दुर्घटना का शिकार होना पड़ रहा है। जिला प्रशासन तो सिर्फ दिखावे के रूप में खड़े नजर आता हैं। किसी के साथ होने वाली सड़क दुर्घटना में जिले प्रशासन दुर्घटना के बाद ही अपनी वाहवाही लूटने नजर आता है। बड़े ही दुर्भाग्य की बात है कि जिले में तीन-तीन उद्योग प्लांट होने के बावजूद भी सुरक्षा व्यवस्था नदारत देखी जाती है। बताया जाता है कि तीनों सीमेंट प्लांट में कार्यरत अधिकांश

कर्मचारियो को शहर में रहकर कर ही आना जाना रहता है। लेकिन कुंभ मेले के दौरान शहर में सुरक्षा के नाम पर काफी निंदनीय योगदान है। ऐसी लापरवाही के कारण ही एक सुरक्षाकर्मी को बहुत ही दर्दनाक सड़क हादसा का शिकार होना पड़ा। हम बताना चाहते हैं कि शहर से करीब ही स्थापित केजेएस सीमेंट प्लांट में कार्यरत कर्मचारी के लिए आने जाने वाला मुख्य मार्ग ही दुर्घटना का महत्वपूर्ण कारण है। हाईवे के एक तरफ शहर एवं दूसरी तरफ केजेएस सीमेंट प्लांट को मिलाने वाला जीरो प्वाइंट दुर्घटना के नाम पर काफी चर्चित चौराहा है। क्योंकि केजेएस में कर्मचारियों एवं लखवार के ग्रामीण के साथ-साथ इच्छा पूर्ति मंदिर में भी श्रद्धालुओं का ताता लगा रहता है। लेकिन केजेएस प्रबंधन सिर्फ अपने प्लांट तक ही सुरक्षा मुहैया कराने में सक्षम है। जबकि मुख्य मार्ग से केजेएस प्लांट तक के रास्ते में चौबीसों घंटे ट्रांसपोर्टरों का कब्जा बना रहता है। लेकिन केजेएस प्रबंधन अपने ही रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराने में नाकाम है। यदि केजेएस प्रबंधन अपने ही रास्ते को मुक्त नहीं करवा पा रहा तो आने-जाने वाले राहगीरों के लिए एक अलग रास्ता क्यों नहीं तय करता है। यदि केजेएस प्रबंधन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाता है तो एक एक कर आए दिन आमजन मानस को दुर्घटना का शिकार होना पड़ेगा। केजेएस सुरक्षाकर्मी विक्रम सिंह को क्या मालूम था कि जिस संस्थान की सुरक्षा के लिए मैं सेवा दे रहा हूं मुझे ही एक दिन सुरक्षा करते-करते अपने दोनों पैर गंवाने पड़ेंगे। जिला प्रशासन को चाहिए कि हाइवे से केजेएस जानें वाले मार्ग का औचक निरीक्षण कर एक ठोस कदम उठाया जाना चाहिए ताकि आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

मण्डलायुक्त ने रोड सेफ्टी के तहत हेलमेट एवं सीट बेल्ट लगाने के लिए जारी किया आदेश

सहयात्री के लिए भी हेलमेट पहनना अनिवार्य - मण्डलायुक्त अटल कुमार राय

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उप्र)
सहारनपुर, मंडलायुक्त अटल कुमार राय ने निर्देश दिए कि मंडल के सभी शासकीय एवं अर्द्ध-शासकीय कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी जो दोपहिया वाहन से कार्यालय आते हैं, वे हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनें और उनके साथ यात्रा करने वाले सहयात्री के लिये भी हेलमेट पहनना आवश्यक है।

मण्डलायुक्त अटल कुमार राय ने निर्देश दिए कि इसी प्रकार जो अधिकारी एवं कर्मचारी चारपहिया वाहन से कार्यालय आते हैं वे वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें एवं अन्य सभी सह यात्रियों के लिये सीट बेल्ट पहनना अनिवार्य है। कार्यालयों के प्रवेश द्वार पर सुरक्षाकर्मी द्वारा हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनुपालन की जांच करने पर यदि उक्त निर्देशों का उल्लंघन पाया जाता है तो कार्यालय में प्रवेश पर रोक लगायी जायेगी। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही पर विचार किया जायेगा।

मंडलायुक्त अटल कुमार राय ने निर्देश दिए कि सभी कार्यालयाध्यक्षों द्वारा अधीनस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों से निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन कराना सुनिश्चित कराया जाये।

बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई

दो चचेरे भाइयों की मौत, एक गंभीर घायल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र)
सहारनपुर (गागलहेड़ी)। उत्तराखंड के भगवानपुर स्थित फैक्टरी में काम करने जा रहे चचेरे भाई शुभम व नवीन की कैलाशपुर के पास सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार थे। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना जनकपुरी क्षेत्र के सड़क दूधली निवासी शुभम (27) पुत्र सुशील, नवीन (35) पुत्र भूपेंद्र चचेरे भाई थे। वह फैक्टरी में काम करते थे, उनके साथ परिवार का ही हिमांशु भी फैक्टरी में नौकरी करता है, जो रिश्ते में उनका भाई है। ये तीनों एक बाइक पर सवार होकर सवार होकर ड्यूटी पर जा रहे थे। जब वह कैलाशपुर स्थित पैट्रोल पंप के सामने पहुंचे, तभी उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि वह तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें शुभम व नवीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हिमांशु गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। घायल को स्थानीय लोगों व पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया। जानकारी मिलते ही उनके परिजन भी अस्पताल में पहुंच गए। पुलिस का कहना है कि अभी परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है।

सरकार गन्ने का लाभकारी मूल्य 700 कुंतल तत्काल घोषित करें - भगत सिंह वर्मा

मनरेगा योजना को सीधा खेती से जोड़कर किसानों को मजदूर उपलब्ध कराये जाए - भगत सिंह वर्मा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र)
सहारनपुर । देवबंद, त्रिवेणी चीनी मिल कॉलेज में गन्ना किसानों की गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि लगातार बढ़ती हुई महंगाई को देखते हुए गन्ना उत्पादन की लागत को ध्यान में रखते हुए भाजपा की योगी सरकार गन्ने का लाभकारी मूल्य ?700 कुंतल तत्काल घोषित करें, गन्ना किसानों को मजदूर उपलब्ध कराने के लिए मनरेगा योजना को सीधा खेती से जोड़कर गन्ना किसानों को मजदूर उपलब्ध कराए जाए, मनरेगा योजना के तहत उत्तर प्रदेश में मजदूरों को प्रतिदिन 237 रुपए मजदूरी मिलती है जो नाकाफी है। केंद्र सरकार 237 रुपए मनरेगा से भुगतान करें और बाकी 263 रुपए गन्ना किसान मजदूर को भुगतान करेंगे इस प्रकार मजदूर को ? 500 प्रतिदिन वाजिब मजदूरी मिलेगी और मनरेगा योजना में कोई भ्रष्टाचार भी नहीं होगा। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि कृषि यंत्र, खाद, बीज, कीटनाशक दवाई आदि से जीएसटी खत्म करके किसानों की लागत को कम किया जाए, चीनी मिल निःशुल्क खाद हेतु गन्ना किसानों को प्रेस मड मेली निःशुल्क दे। गन्ना किसान गोष्ठी को उप गन्ना आयुक्त ओमप्रकाश सिंह, जिला गन्ना अधिकारी सुशील कुमार, त्रिवेणी चीनी मिल यूनिट हेड पुष्कर मिश्र, श्यामवीर त्यागी, कृषि गन्ना वैज्ञानिक डॉ विकास मलिक, गन्ना महा प्रबंधक शिवकुमार त्यागी, उप महाप्रबंधक रणपाल सिंह तेवतिया, गन्ना प्रबंधक पीके सिंह, गन्ना उप महा प्रबंधक विपिन त्यागी ने संबोधित किया।

कांग्रेस संगठन में बड़ा बदलाव

भूपेश बघेल बने AICC में महासचिव, सिंहदेव को मिल सकती है छत्तीसगढ़ की

राजीव खरे । सिटी चीफ (छग)
रायपुर, जैसी की संभावना बताई जा रही थी, कांग्रेस ने राष्ट्रीय संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को, द्वष्टि महासचिव बनाया है। बघेल को पंजाब का प्रदेश प्रभारी भी बनाया गया है। अटकलें हैं कि वरिष्ठ नेता टीएस सिंहदेव को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी (द्वष्टि) के अध्यक्ष पद की कमान सौंपी जा सकती है। हालांकि इसे लेकर अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस नेतृत्व छत्तीसगढ़ में संतुलन बनाने के लिए टीएस सिंहदेव को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप सकता है। इससे राज्य में पार्टी संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर काम किया जा सकता है। हालांकि, टीएस सिंहदेव ने इन अटकलों पर

प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बदलाव को लेकर अब तक कोई चर्चा नहीं हुई है। दिल्ली रवाना होने से पहले रायपुर में पत्रकारों से बात करते हुए भूपेश बघेल ने संगठनात्मक बदलाव की अटकलों पर कहा था, मैं कांग्रेस का सिपाही हूं, जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाऊंगा। पार्टी जो भी फैसला लेगी, वह सभी को स्वीकार्य होगा। दरअसल लोकसभा में कांग्रेस की हार के बाद पार्टी नेतृत्व संगठन में बड़ा फेरबदल करने की तैयारी में है। ओबीसी वर्ग को साधने के लिए कुछ नेताओं को को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसके अलावा, छत्तीसगढ़ में टीएस सिंहदेव की संगठन में वापसी से कांग्रेस को राज्य में मजबूती देने की कोशिश होगी। हालांकि, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इन बदलावों को लेकर किसी भी आधिकारिक बयान से इनकार किया है। खुद टीएस सिंहदेव ने भी कहा कि ऐसी कोई चर्चा बैठक में नहीं हुई। इसके बावजूद, राजनीतिक गलियारों में इन बदलावों को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं। अब देखना होगा कि कांग्रेस आलाकमान इन अटकलों पर कब तक मुहर लगाता है और किन नेताओं को द्वष्टि में कोई बड़ी भूमिका मिलती है।

छत्तीसगढ़ में बढ़ते साइबर क्राइम के बाद भी साइबर एक्सपर्ट की नियुक्ति नहीं

हाईकोर्ट ने जताई नाराज़गी और केंद्र सरकार से मांगा जवाब

राजीव खरे । सिटी चीफ (छग)
रायपुर, छत्तीसगढ़ में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों के बीच राज्य में अब तक कोई साइबर एक्सपर्ट नियुक्त नहीं किया गया है, जिससे न्यायिक प्रक्रिया में तकनीकी साक्ष्यों के सत्यापन में गंभीर चुनौतियां आ रही हैं। इस मुद्दे पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच, जिसमें चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल शामिल हैं, ने गहरी चिंता जाहिर की है। कोर्ट ने राज्य में जल्द से जल्द साइबर विशेषज्ञों की नियुक्ति के निर्देश दिए हैं और केंद्र सरकार से शपथपत्र के माध्यम से जवाब मांगा है। यह मामला तब सामने आया जब अधिवक्ता शिरीन मालेवर ने हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका (PIL) दायर कर इस कमी की ओर ध्यान आकर्षित किया। याचिका में बताया गया कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 79-ए के तहत अब तक राज्य में कोई साइबर एक्सपर्ट या परीक्षक नियुक्त नहीं किया गया है। वहीं, देशभर में 16 अन्य स्थानों पर पहले से ही ऐसे विशेषज्ञों की नियुक्ति हो चुकी है। बीते कुछ वर्षों में साइबर अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है। बैंक धोखाधड़ी, सोशल मीडिया हैकिंग, डिजिटल ठगी, फेक न्यूज़ और ऑनलाइन फिशिंग जैसे मामलों में आम नागरिकों से लेकर बड़े संस्थान तक प्रभावित हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ में ही साइबरक्राइम से जुड़े हजारों मामले लंबित हैं, लेकिन तकनीकी विशेषज्ञों की अनुपस्थिति के कारण जांच में देरी हो रही है। इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के सत्यापन के लिए साइबर एक्सपर्ट का होना आवश्यक है, ताकि अपराधियों को समय रहते पकड़ा जा सके और न्यायिक प्रक्रिया में बाधा न आए। देश में डिजिटल लेनदेन और ऑनलाइन गतिविधियों में बढ़ोतरी के साथ साइबर सुरक्षा को लेकर नई रणनीतियों की आवश्यकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, साइबर पुलिसिंग यानी डिजिटल अपराधों की रोकथाम के लिए समर्पित पुलिस बल और अत्याधुनिक जांच तकनीकों को अपनाना अब जरूरी हो गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के फार्म हाउस में चोरी

चोरों ने सिंचाई उपकरण किए पार

राजीव खरे । सिटी चीफ (छग)
दुर्ग, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कुरुदडीह स्थित फार्म हाउस में अज्ञात चोरों ने सेंध लगाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। अमलेश्वर पुलिस ने इस मामले में चौकीदार की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फार्म हाउस के चौकीदार नरोत्तम यादव ने पुलिस को बताया कि इन दिनों खेत में धान की बुआई का कार्य चल रहा है, जिसके लिए सिंचाई की व्यवस्था की गई थी। चोरों ने फार्म हाउस में बने सिंचाई उपकरणों के स्टोर रूम का ताला तोड़कर वहां से पीतल के पांच नल चोरी कर लिए। इस घटना की जानकारी चौकीदार को सुबह हुई, जब उसने कमरे का टूटा ताला देखा।

घटना की सूचना मिलते ही अमलेश्वर पुलिस मौके पर पहुंची और चोरी की जांच शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, चोरों ने फार्म हाउस की रेकी कर वारदात को अंजाम दिया हो सकता है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में तलाशी अभियान चला रही है और संभावित सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

यह पहला मौका नहीं है जब किसी राजनीतिक हस्ती के फार्म हाउस में चोरी की घटना हुई हो। हाल ही में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों और खेत मालिकों के यहां इस तरह की घटनाएं सामने आई हैं। पुलिस का मानना है कि यह एक संगठित गिरोह की हरकत हो सकती है, जो खेतों में रखे कीमती सामानों को निशाना बना रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की ओर से इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस जल्द ही मामले को सुलझाने का दावा कर रही है।

जयसिंहनगर, जिला शहडोल से लापता 17 वर्षीय नाबालिग बालिका को कोतवाली अनूपपुर पुलिस ने सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों को सौंपा

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, अनूपपुर पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान के निर्देशन में कोतवाली अनूपपुर पुलिस की सतर्कता और उत्कृष्ट पुलिसिंग के चलते शुक्रवार सुबह जिला शहडोल के जयसिंहनगर से लापता 17 वर्षीय नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया।

घटनाक्रम- शुक्रवार सुबह थाना कोतवाली अनूपपुर की पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी के आरक्षक कपिल सोलंकी एवं अमित यादव द्वारा बस स्टैंड अनूपपुर में चेकिंग के दौरान एक नाबालिग बालिका को भटकते हुए पाया गया। तत्काल महिला उपनिरीक्षक सरिता लकड़ा एवं महिला आरक्षक कविता विकल के द्वारा उसे सुरक्षित महिला डेस्क, कोतवाली थाना लाकर पूछताछ की गई।

पूछताछ में बालिका ने बताया कि कल 13 फरवरी को उसकी कक्षा 11वीं की जीवविज्ञान (बायो) विषय की परीक्षा खराब हो जाने के कारण वह डिप्रेशन में आकर घर छोड़कर निकल गई थी और भटकते हुए अनूपपुर पहुंच गई। इस संबंध में थाना जयसिंहनगर, जिला शहडोल में उसके परिजनों द्वारा गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिस पर अपराध क्रमांक 59/2025, धारा 137(2) बी.एन.एस. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया था।

कोतवाली अनूपपुर टी.आई. अरविंद जैन की सूचना पर नाबालिग बालिका के परिजन एवं थाना जयसिंहनगर पुलिस बल कोतवाली अनूपपुर पहुंचे, जहां बालिका को सुरक्षित उनके सुपुर्द कर दिया गया। बालिका के परिजनों ने अनूपपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया।

पुलिस की अपील एवं एडवाइजरी पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान ने माता-पिता से अपील की है कि वे स्कूली परीक्षाओं के दौरान अपने बच्चों को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखें और समझाएं कि जीवन अनमोल है। परीक्षा का परिणाम किसी भी व्यक्ति के भविष्य का अंतिम पैमाना नहीं होता, मेहनत से परिणाम में सुधार किया जा सकता है। यदि किसी छात्र का प्रश्नपत्र खराब हो जाए तो घबराने या कोई गलत कदम उठाने के बजाय परिवार और शिक्षकों से बात करें।

पुलिस प्रशासन सभी माता-पिता एवं अभिभावकों से अपील करता है कि वे परीक्षाओं के दौरान अपने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत स्थानीय पुलिस से संपर्क करें।

तहसील कोतमा का कलेक्टर ने लिया जायजा

व्यवस्थित प्रक्रिया व प्रकरणों के गुणवत्तयुक्त निराकरण के दिए निर्देश

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने जिले के कोतमा तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया गया । इस दौरान एसडीएम कोतमा श्री अजीत तिर्की तहसीलदार श्री ईश्वर प्रधान तथा तहसील स्टाफ उपस्थित थे। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने तहसीलदार न्यायालय का निरीक्षण करते हुए न्यायालीन प्रक्रिया को व्यवस्थित करने तथा बटवारा, नामांतरण, नक्शा तरमीम आदेश पश्चात अभिलेख अद्यतन कराने हेतु तथा संशोधित अभिलेख की प्रति सहित आदेश अपलोड कार्य किए जाने तथा लंबित राजस्व प्रकरणों का गुणवत्तायुक्त निराकरण के निर्देश देते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने लंबित मामलों का परीक्षण कर स्टाफ को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

गुमटी में लगी आग, 2 लाख का सामान जलकर हुआ राख

शंभूपुरा। महाराणा प्रताप सेतु मार्ग पर्ल हॉस्पिटल के सामने गुरुवार देर रात एक गुमटी में अज्ञात कारणों से आग लग गई जिससे बालाजी सीट रिपेयर्स नाम की गुमटी पूरी जलकर खाक हो गई जिससे गुमटी मालिक को लाखो का नुकसान हुआ है। गुमटी मालिक अनिल जीनगर ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराकर उचित जांच पड़ताल करने को कहा की रात 10 बजे तक काम करके में नित्य कि भांति दुकान बंद करके घर चला गया। सवेरे 9 बजे मुझे पता चला की गुमटी और सारा हुड पेचिस और सोफा रिपेयर के समान सहित नकदी एवं जरूरत के कागजात जलकर खाक हो गए है। सवेरे मौके पर पहुंचने पर पुलिस की सहायता से फायर ब्रिगेड आग बुझाने का काम कर रही थी आग से मुझे करीब 2 लाख का नुकसान हुआ है जिसकी जांच कर आवश्यक कार्यवाही कि मांग की।

साइबर सुरक्षा के प्रति सजग करना हमारा उद्देश्य- एसपी जगदीश डावर

सेफ क्लिक अभियान के तहत विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

बड़वानी रघुनाथ सेन/मध्य प्रदेश पुलिस के द्वारा 1 फरवरी से 11 फरवरी तक साइबर सुरक्षा अभियान सेफ क्लिक अभियान चलाया जा रहा है । उसी के तहत पूरे बड़वानी जिले में वृहद स्तर पर साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहे हैं। ग्राम पिपलाज के योगेश्वर महाविद्यालय मे श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय के द्वारा सेफ क्लिक अभियान के बारे में जानकारी देकर साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण टिप्स पुलिस अधीक्षक ने साझा किये। उन्होंने बताया अज्ञात नंबरों से आने वाले कॉल, मैसेज और ईमेल से सावधान रहने की सलाह दी। साथ ही बैंक खातों की गोपनीय जानकारी किसी से साझा न करने पर जोर दिया। ऑनलाइन ठगी, फिशिंग, फर्जीकाल और एटीएम फ्रॉड से बचने के तरीके भी बताए गए । साथ ही नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों को बेहतर तरीके से कार्य करने के लिए प्रेरित किया जिले के साइबर एक्सपर्ट सब इंस्पेक्टर श्री रितेश खत्री के द्वारा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने की सलाह दी, साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने या नजदीकी थानों में शिकायत दर्ज करने की सलाह दी। उन्हौने बताया खुद सतर्क रहे बल्कि अपने परिवार और समाज को भी डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। टोल फ्री नंबर 1930 के जरिए किसी पीड़ित व्यक्ति की तत्काल सहायता एवं उसके साथ धोखाधड़ी से निकल गई राशि पर तत्काल होल्ड लगाने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर महिला डेस्क से श्रीमती रेखा यादव, काउंसलर श्रीमती अनीता चोयल, साइबर से श्री अरुण मुजाल्दा व संस्था के डायरेक्टर श्री गौतम पाटीदार, समस्त स्टाफ, विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई

महू धारनाका कृष्णपुरा स्थित जय गंभीर तटेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में जाटव समाज द्वारा संत शिरोमणि रविदास जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर सर्वप्रथम संत रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता राम किशोर शुक्ला भैया जी थे, और जिला संघ प्रमुख भी उपस्थित थे। संघ प्रमुख ने अपने उद्बोधन में संत रविदास जी के जीवन पर प्रकाश डाला और उनके दिखाए हुए मार्ग पर चलने के लिए समाज को प्रेरित किया। महू गांव नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष एवम् समाज सेवी शशि शेखर बानवी ने भी संत रविदास जी के जीवन पर विस्तृत चर्चा की और उनके द्वारा मध्यकालीन युग में समाज के लिए दिए गए संदेश को साझा किया। उन्होंने बताया कि गुरु रविदास जी ने समाज को एकजुट होकर सभी धर्मों और जातियों को समान रूप से मानने का संदेश दिया, साथ ही मांसाहार और मदिरा को त्यागने की भी अपील की।

इस अवसर पर महा आरती, महाप्रसादी और भंडारे का आयोजन किया गया। सभी श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भाव से प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत समाज के वरिष्ठ सदस्यों जैसे खेमराज जी, उस्ताद भजनलाल जी, इंद्रशेखर बानवी, सूरज प्रसाद जाटव, अनिल सिरोहिया, यशवंत बड़ोदिया, हेमंत फरेलिया, रवि उर्फ बबलू मल्हेया, मुकेश माठोंलिया, सोनू बरौर, बसंत सनोरा, टी के जी त्रिदेव अहिरवार, संतोष माठोंलिया, हरीश सिरोहिया, आशीष सरोजना, नवीन बरौरे, सुभाष सिरोहिया, राहुल बरौरे आदि ने किया।

कार्यक्रम का संचालन धर्मेंद्र बरौनिया ने किया। कार्यक्रम के अंत में अहिरवार जाटव समाज बाईसी पंच केंद्रीय समिति जिला इंदौर, मध्य प्रदेश के उपाध्यक्ष शशि शेखर बानवी ने सभी अतिथियों और समाज बंधुओं का आभार व्यक्त किया।

दिगंबर जैन समाज का त्रिदिवसीय शान्तिनाथ जिनालय प्रथम स्थापना कार्यक्रम सम्पन्न

शंभूपुरा। निम्बाहेड़ा नगर मे जैन धर्मवलम्बियो ने श्री शान्तिनाथ जिनालाय के प्रथम स्थापना दिवस के त्रिदिवसीय कार्यक्रम अंतर्गत अंतिम दिन भगवान पार्श्वनाथ का अनुष्ठान कर श्रीज़ी कि शोभायात्रा निकाली। समाज प्रवक्ता मनोज़ सोनी के अनुसार अध्यक्ष सुशील काला ओर महामंत्री मनोज़ पटवारी कि अगुवाई मे आयोजित श्री शान्तिनाथ दिगंबर जैन मंदिर कि प्रथम स्थापना दिवस के अंतर्गत तीन दिवसीय कार्यक्रम के आज अंतिम दिवस पर आदर्श कॉलोनी स्थित शान्तिनाथ मंदिर मे भगवान पार्श्वनाथ विधान पूजा अनुष्ठान सम्पन्न किये। विधानाचार्य अभिषेक जैन ओर भजन गायक प्रशांत जैन के सानिध्य मे भगवान के जिनभिषेक ओर शांतिधारा तथा मंदिर शिखर पर धवजा फहराई गई जिसके लाभार्थी प्रेम चंद विकास मोदी तथा पालकी मे भगवान विराजित ओर प्रथम कलश करने के पुण्यर्जक राकेश कुमार मीठा लाल कोठारी परिवार ने सम्पन्न कराये। तत्पश्चात सकल जैन श्री संघ ने श्री ज़ी विराजित पालकी शोभायात्रा शान्तिनाथ जिनालय से निकाली जो नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई पुन: मंदिर परिसर मे जाकर सम्पन्न हुई जहाँ पर भगवान के कलश आदि धार्मिक कार्यक्रम हुए। जुलुस मे विराजित प्रभु के समक्ष श्रद्धांलुओं ने श्री फल ओर दीपक से आरती वंदना कर श्रद्धा प्रकट कि। जुलुस मे सैकड़ो श्वेत वस्त्र धारण कर धर्मवलम्बी नाचते गाते भक्तिभाव से नंगे पैर चल रहे थे। शोभायात्रा जुलुस मे क्षेत्रीय विधायक श्री चंद कृपलानी सहित पूर्व विधायक अशोक नवलखा भाजपा नगर अध्यक्ष कपिल चौधरी ओर जैन समाज के विविध प्रबुद्धजनों ने भाग लिया। भगवान पार्श्वनाथ कि विधान पूजा मे समाज जनो ने भगवान के समक्ष बने मांड़ने पर श्री फल के साथ अर्घ्य चढ़ा कर भक्ति की।

आबकारी बरेली द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही में अवैध शराब जप्त

बरेली जिला कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्रीमती वंदना पांडेय के निर्देशानुसार सहायक जिला आबकारी अधिकारी सुदीप तोमर (कंट्रोलर) एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती सरिता चंदेल के नेतृत्व में आबकारी उपनिरीक्षक राजेश विश्वकर्मा द्वारा प्राप्त सूचनाओं के आधार पर आज अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए पवन ढाबा भौंडिया में दबिश देकर आरोपी बृजेश धाकड को 21 पाव देशी मदिरा, अपना फेमिली ढाबा धनाश्री में दबिश देकर आरोपी दीपक चौरसिया को 18 पाव ब्लू चिप जिन, द्वारका ढाबा चारगाँव में दबिश देकर आरोपी अमन रावत को 20 पाव देशी मदिरा तथा ग्राम कनवार में आरोपी पप्पू साहू की किराना दुकान में दबिश देकर उसे 14 पाव देशी मदिरा के साथ चारों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत वैधानिक कार्यवाही की गयी ।साथ ही पिपरिया रोड नहर के पास बरेली पर दबिश देकर एक झोले में रखे 40 पाव अँग्रेजी शराब ज़ब्त किए जाकर मौके से फरार हुए अज्ञात आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34-1(क) के तहत वैधानिक कार्रवाई की गयी । कार्यवाई में कुल 05 प्रकरण कायम किए जाकर 04आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार किया, 01 आरोपी मौके से फरार होने में कामयाब रहे जिनकी गिरफ्तारी शेष है ।पांचों प्रकरणों के आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34-1 (क) के अंतर्गत प्रकरण कायम कर विवेचना में लिए गए ।उक्त के अलावा क्षेत्र में स्थित अन्य कई होटल, ढाबों की भी तलाशियां ली गई किन्तु शराब बरामद नही हुई । ज्ञात हो कि उपनिरीक्षक द्वारा कल भी अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्यवाई करते हुए 05 प्रकरण अवैध मदिरा के अड्डों पर छापामार कार्यवाही कर दर्ज किए गए थे जिसमें भी देशी विदेशी मदिरा सहित भारी मात्रा मे शराब व शराब बनाने की सामग्री ज़ब्त की गयी थी । आज और कल कायम किए गए 10 प्रकरणों में ज़ब्त अवैध देशी व विदेशी मदिरा, हाथ भट्ठी मदिरा तथा लाहन का बाजार बाजार मूल्य रुपये 66,000/- आंकलित किया गया । सहायक आबकारी आयुक्त श्री मति वंदना पांडेय ने बताया कि अवैध मदिरा के विरुद्ध आगे भी कार्यवाही सतत् जारी रहेगी। उक्त कार्यवाही में आबकारी आरक्षक सुश्री स्वेता शिवहरे, नगर सैनिक राकेश शर्मा एवं हल्के परते सहित ड्राइवर अंशुल का सराहनीय सहयोग रहा।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह 21 फरवरी को नीमच व मनासा मे कांग्रेस कार्यकर्त्ताओ को करेगे संबोधित

मनासा मे स्वर्गीय डाक्टर संघई जन्म जयंती कार्यक्रम मे होगे शामिल- भगत वर्मा

नीमच- मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री सासंद दिग्विजय सिंह एक दिवसीय प्रवास पर 21 फरवरी नीमच तथा मनासा मे आयोजित कार्यक्रम मे शामिल होगे , श्री सिंह मनासा मे आयोजित डाक्टर व्हि एम संघई जन्म जयंती कार्यक्रम मे शामिल होगे तथा पंगत से सगतं मे शामिल होगे , कार्यक्रम कि विस्तृत जानकार देते हुए जिला कांग्रेस नीमच के प्रवक्ता भगत वर्मा ने बताया कि , पूर्व मुख्य मंत्री दिग्विजय सिंह दिनांक 20 फरवरी को दिल्ली से प्रस्थान कर सायंकाल 4-30 बजे उदयपुर पहुंचेगे उदयपुर से प्रस्थान कर रात्री 8 बजे मंदसौर जिले के ग्राम करजू पहुंच कर शंकर लाल आजना के यहा आयोजित विवाह शमारोह मे शामिल होगे , करजू से नीमच पहुंच कर रात्री विश्राम नीमच जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौरसीया के निवास पर करेगे , जिला कांग्रेस प्रवक्ता भगत वर्मा ने बताया कि पूर्व मुख्य मंत्री दिग्विजय सिंह 21 फरवरी को सुबह 9-30 बजे कांग्रेस कार्यालय गांधीभवन नीमच मे कांग्रेस कार्यकर्त्ताओ से मुलाकात करेगे तथा सुबह 10-45 बजे कांग्रेस कार्यालय गांधीभवन मे प्रेस कान्फ्रेंस मे भाग लेगे सुबह 11-30 बजे नीमच से प्रस्थान कर मनासा पहुंचकर दोपहर 12-30 बजे डाक्टर व्ही एम संघई कि जन्म जयंती कार्यक्रम मे शामिल होगे ,तथा कार्यक्रम मे 50 से अधिक रक्त दान करने वाले रक्त दाताऑ एवम वाढ पिडीतो कि सहायता करने वाले मछुआरो का सम्मान भी करेगे, कार्यक्रम पश्चात श्री सिंह पंगत मे संगत कार्यक्रम मे शामिल होकर कांग्रेस कार्यकर्त्ताओ से चर्चा करेगे दोपहर भोज कार्यकर्त्ताओ के साथ करेगे, कार्यक्रम पश्चात मनासा से प्रस्थान कर दोपहर 1-30 बजे ग्राम खडावदा पहुंचेगे ग्राम खडावदा के बंजारा समाज मे चार युवाओ कि पिछले दिनो अकाल मोत हो गई थी उनके निवास स्थान पर जाकर परिवार को शोक संवेदना प्रकट करेगे । श्री सिंह दोपहर 3-15 बजे रावली कुई पंचायत पहुंचकर आयोजित ग्राम सभा मे भाग लेगे तथा चिता प्रोजेक्ट मे विस्थापित परिवारो से चर्चा करेगे ।जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौरसीया ने बताया कि सभी कार्यक्रम मे भाग लेने के पश्चात पूर्व मुख्य मंत्री दिग्विजय सिंह सायंकाल 5 बजे भोपाल के लिए प्रस्थान करेगे सभी आयोजित कार्यक्रम मे सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधिगण, पंच सरपंच सभी प्रकोष्ठ के पदाधिकारीगण, पूर्व विधायक, सांसद एनएसयूआई जिला कांग्रेस, ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारीगण, सेवादल, महिला कांग्रेस, तथा कांग्रेस के कार्यकर्त्ता शामिल रहेगे ।

फुटेरा में तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा

महोत्सव का शुभारंभ आज से

निकली विशाल घट यात्रा - आज होगा जिनवाणी अस्थाप एवं रात्रि में भजन संध्या

फुटेरा - धर्म नगरी फुटेरा में सकल तारण तरण दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य एवं मंगलमय शुभारंभ आज शनिवार 15 फरवरी के शुभ दिन ध्वजारोहण एवं जिनवाणी अस्थाप से होगा साथ ही रात्रि में 9 बजे से पंडित संजीव जैन उस्मानपुर दिल्ली की सुंदर भजन संध्या होगी ।महोत्सव के मीडिया प्रमुख दीपक राज जैन ने बताया कि महोत्सव की पूर्व बेला पर शुक्रवार के शुभ दिन सकल समाज द्वारा श्री तारण तरण दिगंबर जैन बड़ा चैत्यालय में मंदिर विधि कर मां जिनवाणी की पूजा आराधना की गई जिसमें बाल ब्रह्मचारी बसंत महाराज के साथ अन्य त्यागी व्रती ब्रह्मचारी भाई - बहन एवं विद्वतगण सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु सम्मिलित हुए पश्चात दोपहर के समय मुख्य पंडाल में विविध अनुष्ठानों के माध्यम से सभी मांगलिक क्रियाएं सम्पन्न करा कर घटयात्रा निकाली जिसमें बड़ी संख्या में श्राविकाओं ने हिस्सा लिया और कार्यक्रम स्थल के मुख्य द्वार सहित नगर के समस्त चैत्यालयों में मंगल का प्रतीक घट स्थापित कर अनुष्ठान का शुभारंभ किया।

प्रशासन ने किया निरीक्षण -महोत्सव संयोजक सुरेन्द्र जैन, अमित जैन व्या एवं अध्यक्ष निर्मल जैन ने बताया कि दोपहर के समय जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया जिसमें पथरिया एसडीएम अनिकेत चौरसिया, एसडीओपी रघुकेसरी, सीओ अश्विन कुमार, बतियागढ़ टीआई नेहा गोस्वामी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे सभी का महोत्सव समिति ने आत्मीय अभिनंदन किया। इस अवसर पर समिति के साथ प्रशासन ने कार्यक्रम स्थल, भोजन शाला, पार्किंग स्थल, शौभायात्रा के मुख्य मार्ग सहित अन्य व्यवस्था का जायजा लेकर सभी आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

जनप्रतिनिधियों सहित अधिकारियों को दिया आमंत्रण -महोत्सव समिति द्वारा मध्य प्रदेश शासन पशु पालन मंत्री लखन पटेल, सांस्कृतिक एवं धार्मिक न्यास मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, सांसद राहुल सिंह, दमोह विधायक एवं पूर्व मंत्री जयंत मलैया, रहली विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, पूर्व अध्यक्ष प्रीतम सिंह, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शिखा जैन के साथ प्रशासनिक अधिकारियों में कलेक्टर सुधीरकुमार कोचर, पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी सहित अन्य अधिकारियों को आमंत्रण पत्रिका देकर महोत्सव में सम्मिलित होने का मंगल निमंत्रण दिया।

आज होगा जिनवाणी अस्थाप -महोत्सव के महामंत्री सुधीर जैन ने बताया कि आज महोत्सव प्रथम दिवस शनिवार 15 फरवरी को कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 05:30 बजे सामायिक ध्यान एवं प्रभातफेरी से होगा पश्चात 07:00 बजे से मंत्रजप, श्री तारण त्रिवेणी पाठ, भाव पूजा, 08:00 से मंदिर विधि, 08:30 से प्रवचन, 09:30 से ध्वज दान प्रभावना, आरती, ध्वजवंदन व ध्वजारोहण, 11:00 से पात्र भावना पश्चात 1 बजे से श्री बृहद् मंदिर विधि एवं श्री जिनवाणी जी अस्थाप समारोह, संध्या 7 बजे से आरती, भक्ति, स्तुति एवं प्रवचन के पश्चात विशेष आयोजन में रात्रि 9 बजे से भक्ति संध्या का आयोजन रखा गया है जिसमें सुप्रसिध्द जैन भजन गायक पं. संजीव जैन उस्मानपुर, दिल्ली द्वारा आध्यात्म की गंगा बहाई जावेगी जिसमें सकल समाज सहित धर्म प्रेमी बंधुओं से सम्मिलित होकर धर्म लाभ लेने की अपील महोत्सव समिति द्वारा की गई है।

19 प्राथमिक शिक्षक की वेतन वृद्धि रोकने , 30 शिक्षकों को अंतिम चेतावनी एवं 01 को निलंबन करने के निर्देश दिए गए

अलीराजपुर जिले में बेहतर शिक्षा एवं शिक्षा के क्षेत्र में अन्य योजनाओं को धरातल पर लाने के लिए कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर द्वारा निर्देशित किया गया था । इस निर्देश के परिपालन अपर कलेक्टर एवं प्रभारी डीपीसी वीरेन्द्र सिंह बघेल द्वारा शिक्षा विभाग से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया । इस बैठक में पूर्व में जारी किए गए कारण बताओ सूचना पत्र की समीक्षा के दौरान संतोषप्रद जवाब नहीं होने से की 19 प्राथमिक शिक्षक को म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण एवं. अपील) नियम 1965 के नियम 10 (4) के तहत एक आगामी वेतन वृद्धि तत्काल असंचयी प्रभाव से रोकने के निर्देश दिए गए, साथ ही अन्य 30 शिक्षकों को अंतिम चेतावनी जारी करने व 01 शिक्षक को निलंबन कार्यवाही प्रस्तावित करने के निर्देश जारी किए गए । इस दौरान सहायक आयुक्त संजय परवाल सहित जिले के एपीसी , बीआरसी एवं सीएसी उपस्थित थे ।

कृषिउपज मंडी मे अव्यवस्थाओ का अंबार हमेशा लगता है जाम किसान व्यापारी सभी परेशान

अनुविभागीय अधिकारी से मिले कांग्रेसनेता व्यवस्था में सुधार की करी मांग

मल्हारगढ- लहसुन की एशिया की मानी हुई कृषिउपज मंडी पिपलिया में अव्यवस्थाओ का अंबार होने से किसान एवं व्यापारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ।किसानों एवं व्यापारियों से भरपूर टेक्स वसूल रही है किंतु सुविधाओं के नाम पर शून्य ही है। शुक्रवार को दोपहर में मंडी परिसर में स्थित केंटीन के कर्मचारी एवं किसानों के बीच विवाद होगया किसानों की सूचना पर मल्हारगढ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष कन्हैयालाल पाटीदार सुपड़ा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रामप्रसाद फरक्या भी मंडी पहुंचे व किसानों से चर्चा की मुंडला जिला नीमच के किसान मिथुन सिंह लहसुन लेकर मंडी मे आये थे उन्होंने अपनी लहसुन जो ढेड़ क्विंटल थी केंटीन के सामने खाली कर दी यह केंटीन के कर्मचारी को नागवार लगी उसने लहसुन के ठेर पर नली से पानी डाल दिया इससे किसान मिथुन सिंह के साथ ही अन्य किसान भी नाराज होगये ओर आक्रोशित किसानों ने केंटीन के कर्मचारी को खूब खरी खरी सुनाई ।विवाद बढ़ता देख चौकी पुलिस भी मोके पर पहुंची और दोनों पक्षो से चर्चा की।

मल्हारगढ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा ने केंटीन संचालक शिवपाल सिंह शक्तावत जी जो बाहर गए हुवे थे से फोन पर चर्चा की व पूरे घटनाक्रम से अवगत करवाकर सुझाव दिया कि किसान की लहसुन जो गीली हुई है उसके भाव अब कम मिलेंगे तो अंतर की राशि का भुगतान आप करे शक्तावत ने कहा कि जो भी नुकसान हुवा है वह में किसान को दे दूंगा ।बाद में दोनों पक्षो में समझौता होगया ओर किसी भी प्रकार की कोई रिपोर्ट पुलिस में किसी ने नही की। कांग्रेसनेता अनिल शर्मा एवं कन्हैया लाल पाटीदार ने आरोप लगाया कि मंडी प्रशासन की लापरवाही से मंडी में अव्यवस्थाओ का अंबार है मंडी में किसानों को किसी प्रकार की कोई सुविधा नही मिल रही है किसानों के लिए बने शेडो में कुछ व्यापारियों का अवैध कब्जा लंबे समय से चल रहा है,किसानघर में ऑफिस संचालित होरहा है, शुद्ध पीने का पानी भी किसानों को नही मिलता है।

अव्यवस्थाओ के चलते आये दिन लगता है जाम कृषि उपजमंडी में लहसुन लेकर आने वाले बडी संख्या मे वाहनों से पिपलिया मनासा मार्ग पर जाम लग जाता है इस कारण अन्य वाहन चालकों को काफी परेशान होना पड़ता है ।शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को दो एम्बुलेंस भी लंबे समय तक जाम में फंसी रही बमुश्किक उन्हें रास्ता मिला ।सड़क के दोनों ओर लहसुन से भरे ट्रेक्टर ट्राली एवं वाहनों से दुकानदार भी दु:खी है क्योंकि चार,पांच दिनों तक उनकी दुकानों के सामने वाहन खड़े रहने से दुकानदारी चौपट होती है।

अनुविभागीय अधिकारी एवं मंडी भारसाधक से मिले कांग्रेसनेता मल्हारगढ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा,कार्यकारी अध्यक्ष कन्हैयालाल पाटीदार, जिला कांग्रेस महामन्त्री बाबुखा मेवाती ने शुक्रवार को अनुविभागीय अधिकारी एवं मंडी भारसाधक रविन्द्र परमार से मिले व मंडी में व्याप्त अव्यवस्थाओ से अवगत करवाकर मनासा मार्ग पर लगने वाले जाम से अवगत करवाया साथ ही बताया कि मंडी ने वाहनों के लिए दो बीघा जमीन अधिग्रहण की है उसका कोई उपयोग नही हो पारहाहे,वाहनों के लिए पीछे कुएं के वहा गेट रखा जाय जिससे मनासा मार्ग पर लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी। कांग्रेसनेताओ ने कहा कि मंडी प्रशासन ने हमारे सुझावों व मंडी में व्याप्त अव्यवस्थाओ को नही सुधारा तो कांग्रेसजन आंदोलन करेंगे जिसकी समस्त जवाबदेही मंडी प्रशासन की ही रहेगी।

इंदौर संभागायुक्त की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ

अलीराजपुर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इंदौर संभाग के समस्त जिलों की समीक्षा बैठक का आयोजन इंदौर संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में किया गया । इस बैठक में राजस्व अभियान 3.0, राजस्व प्रकरणों का निराकरण, निरस्त प्रकरणों की समीक्षा , राजस्व वसूली, वक्फ बोर्ड संपत्तियों का विवरण , लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों का निराकरण , अवैध उत्खनन पर कार्यवाही। अवैध परिवहन / वाहन , टी.बी. मुक्त भारत कार्यक्रम प्रगति की समीक्षा, धरती आभा ग्राम उत्कर्ष अभियान , प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन पूर्ण योजनाओं का पंचायतों का हस्तांतरण, माध्यमिक शिक्षा मण्डल बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों के संबंध में आदि के संबंध में जानकारी ली गई । इस बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने समस्त विभाग प्रमुखों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन से प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप कार्य को पूर्ण करें । उनके द्वारा शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा में योजनावार कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया । इस बैठक में कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर , मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

मुख्यमंत्री कंन्या विवाह योजना जनपद पंचायत मल्हारगढ़ परिसर में आयोजित हुआ

मल्हारगढ़- मुख्यमंत्री कंन्या विवाह योजना जनपद पंचायत मल्हारगढ़ परिसर में आयोजित हुआ विवाह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दिक्षित मदनलाल राठौर सहकारिता संयोजक, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार जनपद पंचायत श्रीमती अध्यक्ष पुष्पा कन्हैया लाल पाटीदार जनपद पंचायत उपाध्यक्ष फकीर चंद धनगर मल्हारगढ़ भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष विजय वर्गीय मल्हारगढ़ नगर परिषद अध्यक्ष शर्मिला देवी प्रकाश कच्छावा भाजपा जिला मंत्री कृष्णपाल सिंह शक्तावत डा योगेश कच्छावा इन अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती चित्र मां गायत्री माता चित्र दीनदयाल उपाध्याय चित्र पर पुष्प माला अर्पित कर विवाह सम्मेलन का शुभारंभ किया और विधानसभा क्षेत्र के मल्हारगढ़ में सामूहिक विवाह मुख्यमंत्री योजना अंतर्गत 15 जोड़े को 49 हजार चेक के माध्यम से राशि दी गई जनपद पंचायत अध्यक्ष पुष्पा कन्हैया लाल पाटीदार भारत सिंह डांगी,जनपद सदस्य कमलेश पाटीदार, जनपद सदस्य दिनेश चौहान, जिला सचिव संगठन अध्यक्ष लाल सिंह शक्तावत, इनके द्वारा चेक वितरित किया गए

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत, कन्या के गृहस्थी की स्थापना के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है, विवाह बंधन में बंधे गांव 1रेवती जिला इंदौर, 2 खखराई मल्हारगढ़,3 बोरखेडी जिला नीमच,4 हांडी सीतामऊ, 5 दासियां जिला नीमच,6 अन्यादेव मल्हारगढ़,7 राणापुर जिला झाबुआ, 8 मनासा खुर्द मल्हारगढ़,9 रूपा रेल गरोठ,10 ढिकनिया मल्हारगढ़, 11 काचरिया चंद्रावत मल्हारगढ़, 12 से ममिली काकड़ सीतामऊ,13 अरनिया पिठा जावरा,14 हरसोल मल्हारगढ़ बालागुडा इसी क्रम में अलग-अलग जिले तहसील से दूल्हा-दुल्हन सम्मिलित हुए दुला दुल्हन एक बंधन में बंधे इस क्रम में तहसीलदार बृजेश मालवीय प्रभारी जनपद पंचायत शुभम पाटीदार ने कार्यक्रम का आभार माना।

सीएमसीएलडीसी के विधार्थी दल ने नर्मदा तट पहुंचकर किया अध्ययन

कुक्षी- जन अभियान परिषद ब्लाक कुक्षी के छात्र-छात्राएं का एकदिवसीय अध्ययन दिवस कार्यक्रम में 13 छात्र छात्राएं और 3 मेंटर ने सहभागिता की यह अध्ययन अलीराजपुर के ककराना गांव से प्रारंभ होकर धार जिले के नर्मदा जी के उत्तर तट के गांव से होकर बड़वानी जिला के दक्षिण तट पर घोंघसा आश्रम होकर बड़वानी जिले के गांव का अध्ययन किया गया अध्ययन का मुख्य विषय विद्यार्थियों में सेवा का भाव जागृत हो और सुदूर वनों में स्वर्गीय अनिल माधव दवे जो कि मध्य प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सदस्य तथा भारत सरकार में पर्यावरण वन तथा जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री थे उनकी प्रेरणा से चल रही अद्भुत अविश्वसनीय नर्मदा समग्र संस्था के नाम से भारत की पहली नदी एम्बुलेंस जो की नर्मदा के दक्षिण उत्तर तट व उत्तर तट मध्य प्रदेश महाराष्ट्र और गुजरात राज्य के नर्मदा जी के तट पर बसे गांव के समाज को निशुल्क सेवा स्वास्थ्य सेवा दे रहे हैं नदी एम्बुलेंस की कल्पना अनिल माधव दवे को कैसे आई स्वर्गीय अनिल दवे वर्ष 2006 में नर्मदा समग्र के प्रणेता अनिल माधव दवे अमरकंटक से भरूच तक राफ्ट रबर की नाव से जल यात्रा की श्री दवे अपने सहयात्रियों के साथ पेड़ की छांव में विश्राम करने की तैयारी कर रहे थे उसी समय एक घर से एक बच्चे की रोने की आवाज आ रही थी बहुत देर तक बच्चे का रोना कम नहीं हुआ तो श्री दवे ने अपने सहयात्री से उस बच्चे की जानकारी लेने को कहा तब यात्री घर गए तो जानकारी लगी कि 6 वर्षीय बालक पिछले तीन दिन से एक फोड़े के दर्द के कारण लगातार रो रहा है तीन दिन से ना खुद सोया है ना किसी को सोने दिया है और राफ्ट यात्रा में एक डॉक्टर पूरी फस्टेट किट के साथ भी थे श्री दवे ने उसे बालक का उपचार सहयोगी डॉक्टर द्वारा परिवार वालों की सहमति से कराया उपचार के बाद बच्चे का दर्द ठीक हो गया जो बालक पिछले तीन दिन से नहीं सोया था वह आराम से सो गया । श्री देव को ध्यान में आया कि इस समाज को अभी भी प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा वंचित है इसका कारण बड़े-बड़े पहाड़ होने के कारण रोड मार्ग गांव मोहल्ले तक नहीं बने हैं उपचार करने हेतु 15 से 20 किलोमीटर पैदल जाना पड़ता है इसे देखकर श्री दवे ने भारत की पहली नदी एंबुलेंस तैयार करवा कर बरगी डेम के बैक वाटर में भेजी गई अभी यह नदी एम्बुलेंस सरदार सरोवर बांध के बैक वॉटर में चलती है इस नदी एम्बुलेंस के माध्यम से अभी तक 85000 से अधिक मरीज का उपचार हो चुका है यह अपने आप में अकल्पनीय है

रक्षा बजट में कटौती की उम्मीद

रूस और चीन के साथ परमाणु नियंत्रण वार्ता शुरू करेंगे डोनाल्ड ट्रंप

नई दिल्ली. अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वह रूस और चीन के साथ परमाणु हथियारों पर नियंत्रण की वार्ता फिर से शुरू करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि अंत में तीनों देश अपने रक्षा बजट को आधा करने पर सहमत हो सकते हैं। ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि वह सैकड़ों अरब डॉलर जो अमेरिकी परमाणु निवारक प्रणाली को पुनर्निर्माण पर खर्च हो रहे हैं, उस पर चिंता व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि अमेरिका के प्रतिद्वंद्वी देशों से इस मामले में खर्च में कटौती करने के लिए प्रतिबद्धता मिले।

हमें नए हथियार बनाने की जरूरत नहीं- ट्रंप

ट्रंप ने कहा, हमारे पास पहले से ही काफी परमाणु हथियार हैं, हमें नए हथियार बनाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, दुनिया को 50 या 100 बार नष्ट करने की क्षमता है, और हम अभी भी नए हथियार बना रहे हैं, जबकि रूस और चीन भी यही कर रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि यह बहुत बड़ा खर्च है, जिसे अन्य महत्वपूर्ण कामों में इस्तेमाल किया जा सकता था, और उम्मीद जताई कि यह खर्च कुछ और अधिक उत्पादक चीजों पर जाएगा।

ट्रंप ने यह अनुमान भी जताया कि चीन अगले 5-6 सालों में परमाणु हथियारों के मामले में अमेरिका और रूस की क्षमता को पकड़ लेगा। उन्होंने कहा कि अगर कभी हथियारों का इस्तेमाल करना पड़ा, तो शायद यह सब कुछ खत्म हो जाएगा।

हम अपने सैन्य बजट को आधा कर देंगे- ट्रंप

ट्रंप ने यह भी कहा कि वह रूस और चीन के साथ परमाणु वार्ता शुरू करने का विचार करेंगे, जब मध्य पूर्व और यूक्रेन के हालात ठीक हो जाएंगे। उन्होंने कहा, पहली बैठक जो मैं करना चाहता हूँ, वह चीन के राष्ट्रपति शी और रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ होगी। मैं उनसे कहूंगा, चलिए हम अपने सैन्य बजट को आधा कर देते हैं। और मुझे विश्वास है कि हम ऐसा करने में सक्षम होंगे।

इससे पहले, ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान चीन को परमाणु हथियारों की कमी पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन वह इस वार्ता में सफल नहीं हो सके थे। वहीं, जो बाइडन प्रशासन के दौरान रूस ने न्यू स्टार्ट संधि के तहत अपनी भागीदारी को निलंबित कर दिया था, क्योंकि अमेरिका और रूस दोनों अपने परमाणु शस्त्रागार को विस्तार देने या उसे बदलने के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रम चला रहे थे।

अंधेरे में किया जा रहा इलाज

विद्युत विभाग ने सरकारी अस्पताल का काटा बिजली कनेक्शन

नेशनल डेस्क. छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में विद्युत विभाग का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां के आदिवासी विकासखंड के सरकारी अस्पताल का बिजली कनेक्शन काट दिया गया और वहां लगे मीटर भी उखाड़ ले गए। इसके बाद से यह अस्पताल पिछले 24 घंटों से अधिक समय से बिना बिजली के काम कर रहा है। विद्युत विभाग का कहना है कि अस्पताल का बिजली बिल बकाया था, जिसके कारण उन्होंने यह कदम उठाया है।

गिधाली गांव में अस्पताल बिना बिजली के

यह मामला बालोद जिले के आदिवासी विकासखंड के गिधाली गांव का है। यहां स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र पिछले एक दिन से अंधेरे में चल रहा है। विद्युत विभाग की टीम ने इस केंद्र का बिजली कनेक्शन काट दिया और मीटर भी उखाड़ लिया। इसके कारण अस्पताल में काम करना बेहद कठिन हो गया है और यहां कोई भी चिकित्सा सेवाएं उचित तरीके से नहीं दी जा रही हैं।

बिजली बिल न भरने पर कार्रवाई

जानकारी के मुताबिक, उप स्वास्थ्य केंद्र का बिजली बिल करीब 31 हजार रुपये बकाया था। इस बिल को लेकर विद्युत विभाग ने कई बार नोटिस भेजे थे, लेकिन जब बिल का भुगतान नहीं किया गया, तो विभाग ने अस्पताल का कनेक्शन काट दिया। हालांकि, विद्युत विभाग के इस कदम से स्वास्थ्य विभाग हैरान है और अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

विद्युत विभाग के जिम्मेदारों ने साधी चुप्पी

इस पूरे मामले को लेकर विद्युत विभाग के जिम्मेदार अधिकारी किसी भी प्रकार का बयान देने से बच रहे हैं। उनका कहना है कि अस्पताल का बिजली बिल समय पर नहीं भरा गया था, जिसके कारण यह कदम उठाया गया।

राज्य सरकार से विद्युत कंपनी की मांग

वहीं छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी का राज्य सरकार पर 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है। इस मुद्दे को लेकर छत्तीसगढ़ रिटायर्ड पावर इंजीनियर ऑफिसर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर राज्य के आगामी बजट में समुचित प्रावधान करने की मांग की है।

कनाडा जाने के लिए युवती ने की चोरी, 14 लाख रुपए और गहने लेकर हुई फरार

नेशनल डेस्क. मालेरकोटला में एक युवती ने कनाडा जाने की चाहत में अपने घर से 14 लाख रुपए, 16 तोले सोने के गहने और 25 तोले चांदी के गहने चोरी कर फरार हो गई। इस घटना के बाद युवती की माँ ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने युवती और उसके तीन साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सईमा ने बताया कि उसकी चार संतानें हैं। इनमें सबसे बड़ी बेटी तहरीम पठान (20 वर्ष) है, जो पढ़ाई करती थी और कनाडा जाने की ख्वाहिश रखती थी। तहरीम की दोस्ती आलिजबा नाम की एक युवती से हो गई थी, जो पहले कनाडा में रहती थी और कुछ समय बाद वापस मालेरकोटला आ गई। आलिजबा ने तहरीम को बताया कि वह उसे 20 लाख रुपए में कनाडा की पीआर दिलवाएगी। वह पैसे का प्रबंध करके अपनी बुआ के बेटे ताबिश से निकाह करवा ले, जिससे ताबिश स्पाउज वीजा के जरिए उसे कनाडा भेज देगा।

इस पर तहरीम ने आलिजबा की बात मानी और इस योजना में शामिल हो गई। 10 फरवरी को तहरीम के माता-पिता घर पर नहीं थे, क्योंकि उसका पिता दुकान पर गया हुआ था और माँ अपनी छोटी बेटी के साथ रिश्तेदार के घर गई थी। दोनों बेटे कोचिंग गए हुए थे। जब सईमा शाम को 6 बजे घर लौटी, तो उसने देखा कि तहरीम घर पर नहीं थी और घर का समान बिखरा पड़ा था। सईमा ने अपनी बेटी की तलाश की, लेकिन वह कहीं नहीं मिली।

सईमा ने अपने पति को घर बुलाया और घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक की। फुटेज में देखा गया कि ताबिश और सारिक नामक दो लोग घर के बाहर आए थे और घर से 2 बैग लेकर गए थे। इसके कुछ समय बाद सारिक दोबारा घर आया और तहरीम को मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले गया। इसके बाद जब घर का सामान चेक किया गया, तो पाया गया कि घर की अलमारी से 11 लाख रुपए नकद, 16 तोले सोने के गहने और 25 तोले चांदी के गहने गायब थे। सईमा की शिकायत पर पुलिस ने तहरीम, आलिजबा, ताबिश और सारिक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

बदल गए शराब बेचने के नियम, अब धार्मिक स्थलों के पास नहीं मिलेगी शराब

नेशनल डेस्क. एमपी में 1 अप्रैल 2025 से शराब बेचने वाले रुल्स में बदलाव होने वाले हैं। अब मंदिरों के पास बिना POS मशीन के शराब नहीं मिलेगी। इसके अलावा धार्मिक स्थलों के पास शराब की दुकानें बंद होंगी। इन दुकानों को शिफ्ट किया जाएगा, इससे शराब के दामों में बढ़ोतरी होगी। बंद दुकानों की भरपाई सरकार नए टैक्स से करेगी। इसके अलावा बार और रेस्टोरेंट में भी शराब परोसने के लिए ज़्यादा पैसे देने होंगे। जानते हैं कि इस नई नीति के आने से राज्य में क्या असर होगा।

इस दिन लागू होगी नई नीति

एमपी सरकार 1 अप्रैल से नई आबकारी नीति 2025 लागू करने वाली है। इस नई नीति के तहत राज्य के 19 धार्मिक शहरों और गांवों में शराब की दुकानें बंद कर दी जाएंगी। सरकार द्वारा यह फैसला धार्मिक भावनाओं के सम्मान और सामाजिक हित को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इस फैसले के बाद राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए बाकी शराब दुकानों की कीमतें 25% तक बढ़ाई जा सकती हैं।

इस वजह से लिया गया फैसला-

वहीं सरकार ने शराब की दुकानों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए POS मशीनें लगवाने का फैसला किया है। इससे हर दुकान की सेल का डिटिजल रिकॉर्ड रखा जाएगा। बिना POS मशीन के शराब सेल करने पर दुकान चालक को 25 रुपए का फाइन देना होगा। नई नीति से सरकार को उम्मीद है कि इससे टैक्स चोरी पर रोक लगेगी और शराब बिक्री की सही जानकारी मिल सकेगी।

ठेकेदारों के लिए लाइसेंस नियमों में बदलाव-

नई आबकारी नीति के तहत ठेकेदारों के लिए लाइसेंस नियमों में बदलाव किया गया है। अब ठेकेदारों को एक ई-बैंक गारंटी जमा करनी होगी, जो 30 अप्रैल 2026 तक वैध रहेगी। यह गारंटी किसी अन्य काम के लिए इस्तेमाल नहीं की जा सकेगी। वहीं, धार्मिक शहरों और गांवों में शराब की दुकानें बंद होने से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए सरकार ने एक तरीका तैयार किया है। इसके तहत, बंद होने वाली दुकानों के वार्षिक मूल्य का 25त्न बाकी दुकानों की कीमतों में जोड़ दिया जाएगा। उदाहरण के लिए, अगर किसी दुकान का वार्षिक मूल्य 10 करोड़ रुपये था, तो नई नीति के बाद उसकी कीमत 14.50 करोड़ रुपये हो सकती है। ६नई आबकारी नीति के अनुसार, 13 नगर निगमों और 6 ग्राम पंचायतों में शराब की दुकानें पूरी तरह से बंद कर दी जाएंगी। इन जगहों पर कोई भी बार या वाइन आउटलेट का लाइसेंस नहीं दिया जाएगा, और न ही इन दुकानों को कहीं और शिफ्ट किया जाएगा। इसके अलावा, कमर्शियल आयोजनों के लिए शराब बिक्री का लाइसेंस भी जारी किया जाएगा। इस लाइसेंस की फीस आयोजनों में शामिल लोगों की संख्या पर निर्भर करेगी, जैसे कि 500 लोगों के लिए 25 हजार रुपये से लेकर 5000 से ज्यादा लोगों के लिए 2 लाख रुपये तक होगी।

भारत-अमेरिका के घातक फाइटर जेट के सौदे से बौखलाया पाकिस्तान

कहा- ये अच्छा नहीं होगा

इंटरनेशनल डेस्क. पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका भारत को स्त्न-35 फाइटर जेट बेचता है तो इससे दक्षिण एशिया में सैन्य असंतुलन बढ़ जाएगा। इस फैसले से क्षेत्र की रणनीतिक स्थिरता पर नकारात्मक असर पड़ेगा, जो शांति के लिए खतरे की बात है। शफकत अली खान ने कहा कि अमेरिका द्वारा भारत को स्त्न-35 जेट बेचना एकतरफा, भ्रामक और कूटनीतिक दृष्टि से गलत कदम होगा।

यह घटना उस समय सामने आई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वह भारत को स्त्न-35 स्टील्थ फाइटर जेट बेचने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका भारत को अपने सबसे आधुनिक और ताकतवर स्त्न-35 जेट देने के लिए तैयार है। इस प्रस्ताव से पाकिस्तान को कड़ी आपत्ति है।

अरब न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अगर यह डील पूरी होती है तो इससे दक्षिण एशिया में सैन्य असंतुलन का खतरा होगा। उनका मानना है कि यह कदम क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए सही नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका का यह फैसला एकतरफा और कूटनीतिक मानदंडों के खिलाफ है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुई बातचीत में पाकिस्तान को आतंकवाद बढ़ावा देने के लिए फटकार भी लगाई गई। संयुक्त बयान में कहा गया कि पाकिस्तान को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह अपने क्षेत्र का इस्तेमाल आतंकवादियों के लिए न होने दे।

आग भड़कने से 6 लोगों को आया हार्ट अटैक, मौके पर ही हुई मौत

इंटरनेशनल डेस्क. साउथ कोरिया के बुसान शहर में आज एक बड़ी दुर्घटना घटी, जहां एक कंस्ट्रक्शन साइट पर आग लगने से 6 लोगों की मौत हो गई। इन 6 लोगों को हार्ट अटैक आने के कारण उनकी मौके पर मौत हुई। इस हादसे में 7 अन्य लोग घायल हो गए हैं और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। आग बुझाने के लिए स्थानीय फायर डिपार्टमेंट की ओर से बड़ी कार्रवाई की जा रही है। बता दें 14 फरवरी शुक्रवार को लगभग 10:50 बजे, बुसान के बानयान ट्री होटल की कंस्ट्रक्शन साइट पर आग भड़क उठी। यह आग स्विमिंग पूल के पास रखे इन्सुलेशन सामग्री में लगी और देखते ही देखते फैल गई। इस हादसे के दौरान कंस्ट्रक्शन साइट पर करीब 100 लोग मौजूद थे। आग लगने के बाद फौरन रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया और सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

हार्ट अटैक से हुई 6 लोगों की मौत

आग की लपटों और धुएं से उत्पन्न हुए तनाव के कारण कंस्ट्रक्शन साइट पर काम कर रहे 6 लोग हार्ट अटैक का शिकार हो गए। इन सभी लोगों की मौत हो गई। यह हादसा इस प्रकार का पहला मामला है, जिसमें आग के कारण लोगों की हार्ट अटैक से मौत हुई हो। हादसे में घायल हुए 7 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

रेस्क्यू ऑपरेशन और आग पर काबू पाने की कोशिश

फायर डिपार्टमेंट की टीम पिछले दो घंटे से बानयान ट्री होटल की कंस्ट्रक्शन साइट पर लगी आग को बुझाने की कोशिश कर रही है। इस ऑपरेशन में 352 फायर फाइटर्स और 127 फायर इंजन तैनात किए गए हैं। हालांकि, आग पर अभी तक पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है और आग बुझाने के लिए कुछ और समय लग सकता है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि आग पर काबू पाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

हादसे के बाद का माहौल

हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घायल हुए 7 लोगों को अस्पताल भेजा गया और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, कंस्ट्रक्शन साइट पर सभी कामकाजी लोग सुरक्षित हैं और आग पर काबू पाने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। आग की असल वजह का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन जांच जारी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569